CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-36
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 14 मई 2024

आज का विचार

'कठोर परिश्रम की सीढ़ी चढ़कर ही आप सफलता के शीर्ष पर पहुँच सकते हैं।'

पहले गंगा पूजन, फिर काल भैरव दर्शन, वाराणसी से पीएम मोदी ने तीसरी बार दाखिल किया नामांकन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। यह तीसरी बार है जब पीएम मोदी वाराणसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इससे पहले सोमवार शाम पीएम मोदी ने वाराणसी में रोड शो किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रहे। उन्होंने पांच किमी लंबा रोड शो तीन घंटे में पूरा किया। पीएम मोदी बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेना नहीं भूले। उन्होंने आधा घंटे तक पूजा की।

इस सर्वार्थ योग में दाखिल हुआ पीएम मोदी का नामांकन

गंगा की उत्पत्ति तिथि होने से वैशाख शुक्ल सप्तमी तो वैसे भी बेहद पुण्यकारी मानी जाती है। इस बार नक्षत्रराज पुष्य के साथ सर्वार्थ सिद्धि व रवि योग का संयोग भी बन रहा है। काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी के अनुसार दोनों ही योग कार्य सिद्धि के लिए विशेष शुभ माने जाते हैं। काशी विद्वत परिषद के संगठन मंत्री प्रो. विनय पांडेय के अनुसार काशी में दशाश्वमेध घाट पर गंगासप्तमी के दिन किया गया स्नान-पूजन मनोवांछित सिद्धि प्रदान कराने वाला होता है।

पीएम के प्रस्तावकों में शामिल हैं ये दिग्गज

मोदी के प्रस्तावकों में अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने के साथ ही अनुष्ठान के आचार्य गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ समेत जनसंघ काल के कार्यकर्ता बैजनाथ पटेल, शभाजपा के पुराने कार्यकर्ता लालचंद कुशवाहा और वाराणसी भाजपा के जिला महामंत्री संजय सोनकर शामिल हैं। वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से नामांकन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे जिलाधिकारी कार्यालय। यहां गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, रामदास आठवले, चंद्रबाबू नायडू, जेपी नड्डा, पवन कल्याण, संजय निषाद, हरदीप सिंह पुरी, जीतनराम मांझी व ओमप्रकाश राजभर समेत एनडीए नेता पहले ही पहुंच चुके हैं।

अपहरण मामले में एचडी रेवन्ना को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे और जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना को अदालत से बड़ी राहत मिली है। उन्हें अपहरण मामले में सशर्त जमानत मिल गई है। निचली अदालत ने जेडीएस नेता को 5 लाख रुपये के बॉन्ड पर जमानत दी है। कोर्ट में उन्हें दो निजी जमानतदार भी पेश करना पड़ा। उनके सांसद बेटे प्रज्वल रेवन्ना लीक हुए अश्लील वीडियो से जुड़े कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में आरोपी हैं।

एचडी रेवन्ना को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 4 मई को गिरफ्तार किया था। उसके बाद तीन दिनों तक रेवन्ना एआईटी की हिरासत में थे। आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर अपने बेटे प्रज्वल रेवन्ना सहित एक यौन उत्पीड़न पीड़िता के अपहरण में भूमिका निभाई थी। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना को जेडीएस से निलंबित कर दिया गया है। कर्नाटक में एक महिला ने प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार अज्ञात महिला ने दावा किया कि हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने चार से पांच साल पहले बेंगलुरु में अपने आवास पर उसकी मां के साथ बलात्कार किया था। उन्होंने एसआईटी को घटनाओं का व्यापक विवरण दिया है। इसके अलावा उसने दावा किया कि उसे 2020 और 2021 में वीडियो कॉल के दौरान कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया था। महिला ने कहा है कि वह मुझे फोन करता था और अपने कपड़े उतारने के लिए कहता था। वह मेरी मां के मोबाइल पर फोन करता था और मुझे वीडियो कॉल का जवाब देने के लिए मजबूर करता था। जब मैंने इनकार कर दिया तो उसने मुझे और मेरी मां को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी

मतदानकर्मियों को छोड़ने जा रही बस खड़े ट्रक में घुसी, होमगार्ड जवान की मौत, 9 घायल

मंदसौर। मंदसौर जिला मुख्यालय पर चुनाव सामग्री जमा करने बाद मतदानकर्मियों को छोड़ने जा रही बस मंदसौर-सुवासरा रोड पर सुवासरा में राठौर कालोनी के पास खड़े ट्रक से जा घुसी। हादसे में होमगार्ड जवान की मौत हो गई। वहीं 9 कर्मचारी व बस ट्रक स्टाफ घायल हो गए।

इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार जिले में सोमवार को लोकसभा चुनाव में देर रात तक मतदान सामग्री जमा करवाने के लिए मतदान दल मंदसौर पहुंचते रहे। मतदान सामग्री जमा कराने के बाद मंगलवार सुबह निर्वाचन में लगे कर्मचारी अपने अपने कार्य स्थलों पर लौट रहे थे इस दौरान सोमवार सुबह लगभग सात बजे बस सुवासरा में राठौर कॉलोनी के पास सड़क पर खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। ट्रक का टायर फटने से वहां खड़ा था। दिवंगत जवान के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवारजन के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।ज टीआई कमलेश प्रजापति ने बताया कि हादसे में होमगार्ड जवान 34 वर्षीय मनोहर सिंह की मौत हो गई। हादसे में 7 कर्मचारी घायल हुए हैं व ट्रक चालक के पैर में गंभीर चोट लगी है। दो गंभीर घायल को सुवासरा प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सुवासरा के शिक्षक भी चिकित्सालय पहुंचे और सहयोग किया। बस चालक टक्कर के बाद मौके से फरार हो गया।

आईएमडी ने बताया- समय से तीन दिन आगे चल रहा मानसून

अगले हफ्ते अंडमान सागर में होगी एंट्री

नई दिल्ली। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से तीन दिन आगे चल रहा है। आईएमडी के मुताबिक, 19 मई के आसपास दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दक्षिणी अंडमान सागर में प्रवेश कर जाएगा। इसके अलावा यह बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों में भी उसी दिन तक प्रवेश कर जाएगा। अमूमन हर साल 22 मई को मानसून इस हिस्से में पहुंचता है लेकिन इस साल उससे तीन दिन पहले ही प्रवेश करने जा रहा है। मॉनसून सामान्यतः 1 जून के आसपास केरल में दस्तक देता है। इसके बाद यह आमतौर पर तेजी के साथ उत्तर की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश में छा जाता है। मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस साल देश में सामान्य से ज्यादा मानसूनी बारिश होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 अप्रैल को अपने दीर्घकालिक पूर्वानुमान में कहा था कि जून से सितंबर के बीच देश में मानसूनी वर्षा करीब 106 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जो सामान्य से ऊपर माना जाता है।

आईएमडी ने कहा है कि मई के अंतिम सप्ताह के दौरान फिर से एक अद्यतन पूर्वानुमान जारी किया जाएगा, जिसमें उत्तर पश्चिम भारत, मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीप और पूर्वोत्तर भारत में मानसून की स्थिति और पूर्वानुमान की जानकारी अपडेट की जाएगी।

पिछले साल कम हुई थी बारिश: मौसम विभाग ने कहा है कि 1971-2020 की लंबी अवधि के आंकड़ों के आधार पर पूरे सीजन में दीर्घावधि औसतन 87 सेमी बारिश हुई है। विभाग के मुताबिक, पिछले साल दीर्घावधि औसतन मानसूनी बारिश 94.4 प्रतिशत यानी सामान्य से नीचे था। आईएमडी के मुताबिक, उससे पहले 2022 का मानसून एलपीए के 106 प्रतिशत पर सामान्य से ऊपर था; जबकि 2021 में दीर्घावधि औसतन मानसूनी बारिश 99 प्रतिशत पर सामान्य दर्ज की गई थी और 2020 में 109 प्रतिशत पर फिर से सामान्य से ऊपर दर्ज की गई थी।

10वीं- 12वीं में दो साल बाद 90% पाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को सीबीएसई कक्षा 10वीं, 12वीं के रिजल्ट घोषित कर दिए। इस साल सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में 87.98% छात्र और कक्षा 10वीं की परीक्षा में 93.60% छात्र पास हुए हैं। बता दें, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में दो वर्ष बाद 90 फीसदी हासिल करने वाले छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष 12वीं में 1,16,145 छात्रों ने 90 फीसदी और इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वहीं, 10वीं बोर्ड परीक्षा में यह संख्या 2,12,384 रही। इसके अलावा 12वीं में इस वर्ष 24,068 छात्रों के 95 फीसदी और इससे अधिक अंक आए हैं। 10वीं बोर्ड में यह संख्या 47,983 रही।

इस बार 10वीं-12वीं में लड़कियां अव्वल

सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में लड़कियां अव्वल रही हैं। 10वीं की परीक्षा में 94.75% लड़कियां पास हुई हैं। जबकि लड़के 92.71% पास हुए हैं। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.04% बेहतर रहा है। वहीं, ट्रांसजेंडर का रिजल्ट 91.30% रहा है। सीबीएसई बोर्ड 12वीं की परीक्षा में 91.52% लड़कियां पास हुई हैं। जबकि लड़कों का रिजल्ट 85.12त्न रहा है। इस साल 12वीं में लड़कों के मुकाबले लड़कियां 6.40% अधिक पास हुई हैं। त्रिवेंद्रम का रिजल्ट रहा सबसे बेस्ट: सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में त्रिवेंद्रम (तिरुअनंतपुरम) का रिजल्ट सबसे अच्छा रहा है। 10वीं में त्रिवेंद्रम का रिजल्ट 99.75% बच्चे पास हुए हैं। विजयवाड़ा 99.60% के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, चेन्नई 99.30% रिजल्ट के साथ तीसरे नंबर पर है।

टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की गई

सीबीएसई ने इस साल 10वीं और 12वीं के टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की है। बोर्ड ने इसका ऐलान पहले ही कर दिया था। टॉपर्स की लिस्ट जारी न करने का मकसद बच्चों को अनहेल्दी कॉम्पिटिशन से बचाना है। सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट 2024 जारी होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के नाम एक मैसेज अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा, उन मेधावी छात्रों के लिए जो मानते हैं कि वे बारहवीं कक्षा की परीक्षा में और अधिक हासिल कर सकते थे याद रखें, यह आपकी यात्रा में सिर्फ एक मील का पत्थर है। आपका भविष्य असीमित संभावनाओं से भरा है। उस पर ध्यान केंद्रित करें जो आपको उत्साहित और प्रेरित करता है। आपकी अद्वितीय प्रतिभाएं आपको सफलता और संतुष्टि की ओर ले जाएंगी। आगे बढ़ते रहो, पीछा करते रहो!

जो संतुष्ट नहीं वे फिर से करा सकते हैं जांच

सीबीएसई का रिजल्ट आने के बाद जो भी स्टूडेंट्स अपने मार्क्स से संतुष्ट नहीं हैं वे फिर से अपने पेपर की जांच करा सकते हैं। इसके अलावा अपनी आंसर कॉपी की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही वह रिवैल्युएशन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया रिजल्ट के चार दिन बाद शुरू हो जाएगी। अपने मार्क्स से असंतुष्ट छात्र एक आवश्यक शुल्क का भुगतान करके रिवैल्युएशन करा सकते हैं।

अप्रैल में खुदरा महंगाई में मामूली गिरावट, मुद्रास्फीति 4.83 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली। रसोई में इस्तेमाल होने वाली कई वस्तुओं के दाम घटने से अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरवट दर्ज की गई। यह घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई है। सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में 4.85 प्रतिशत के स्तर पर थी। उस दौरान खुदरा महंगाई का आंकड़ा 10 महीनों में सबसे कम था। इसके अलावा अप्रैल 2023 में यह 4.3 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में खाद्य वस्तुओं की खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़ोतरी के साथ 8.70 प्रतिशत रही। एक महीने पहले मार्च में यह 8.52 प्रतिशत के स्तर पर थी। सरकार ने खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत की घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य भारतीय रिजर्व बैंक को दिया हुआ है।

तीन दिन में 75,139 श्रद्धालु कर चुके बाबा केदार दर्शन

रुद्रप्रयाग। भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कपाट खुलने के बाद से अभी तक धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। बीते तीन दिनों से धाम में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन लग रही है। इसके साथ ही पैदल मार्ग से लेकर केदारनाथ तक रौनक बनी हुई है। पंच केदार में प्रमुख केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को खुल गए थे। कपाटोद्घाटन पर धाम में रिकॉर्ड 29,030 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। केदारनाथ में व्यापारिक गतिविधियां बंद होने के बाद भी धाम में यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। वहीं, शनिवार को भी धाम में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ा जो रविवार को भी जारी रहा। रविवार को धाम में 23,510 शिव भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा बाबा के भक्तों को बेहतर से बेहतर तरीके से दर्शन कराए जा रहे हैं। सुबह चार से आठ बजे तक भीड़ कम होने पर भक्त गर्भगृह से दर्शन कर रहे हैं। वहीं, भीड़ बढ़ने पर सभामंडप से दर्शन हो रहे हैं। धाम में औसतन 1,700 से अधिक श्रद्धालु हर घंटे दर्शन कर रहे हैं। बीकेटीसी के अनुसार, तीन दिनों में धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जो बीते पांच वर्ष में नया रिकॉर्ड है। दर्शनार्थियों में 49,144 पुरुष, 25,002 महिलाएं, 991 बच्चे शामिल हैं। साथ ही दो विदेशी महिला शिवभक्त भी केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर चुकी हैं।

2025 में 15 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड ने बहुप्रतीक्षित कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजे सोमवार को घोषित कर दिए हैं। इस बार कक्षा 12वीं में 87.98त्न, तो 10वीं में 93.60त्न विद्यार्थी पास हुए हैं। रिजल्ट के साथ ही सोमवार को यह जानकारी भी सामने आई है कि अगले साल सीबीएसई 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं कब आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने सोमवार को घोषणा की कि 2024-25 शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं अगले साल 15 फरवरी से आयोजित की जाएंगी। भारद्वाज ने कहा कि बोर्ड ने 2025 की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से आयोजित करने का फैसला किया है। कक्षा 10 और 12 के लिए 2024 की बोर्ड परीक्षाएं भी 15 फरवरी को शुरू हुई। ये 28 और 47 दिनों में समाप्त हुई।

लोकसभा चुनाव: एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने किया चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण

अब पांचवें चरण के चुनाव में 159 प्रत्याशी दागी, 227 करोड़पति

नई दिल्ली। देश में इस वक्त चुनाव की सरगर्मी है। 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा के चुनाव हो रहे हैं। तीन चरणों के लिए मतदान हो चुका है जबकि चौथे चरण का मतदान सोमवार को हो रहा है। पांचवें चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस बीच, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने पांचवें चरण में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। इस चरण में कुल 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं जिनके शपथपत्रों का विश्लेषण किया गया है। एडीआर ने सोमवार को जारी किए एक विश्लेषण में बताया है कि पहले चरण में 695 उम्मीदवारों से 159 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं।

उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि

695 में से 159 (23 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 122 (16 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तीन उम्मीदवारों ने अपने ऊपर दोषसिद्ध मामले घोषित किए हैं। चार उम्मीदवारों ने अपने ऊपर हत्या (आईपीसी-302) से जबकि 28 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ हत्या के प्रयास (आईपीसी-307) से जुड़े मामले घोषित किए हैं। महिलाओं के ऊपर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 29 हैं। इन 29 में से एक उम्मीदवार के ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से जुड़ा मामला दर्ज है। इसके अलावा, भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले घोषित करने वाले कुल 10 उम्मीदवार हैं।

उम्मीदवारों की संपत्ति का लेखा-जोखा

695 में से 33 प्रतिशत यानी 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे ज्यादा भाजपा के 36 उम्मीदवार करोड़पति हैं। एआईएमआईएम के चार में से दो उम्मीदवार करोड़पति हैं। चुनावी हलफनामों में इन प्रत्याशियों ने एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति घोषित की है। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में हर उम्मीदवार के पास औसतन 3.56 करोड़ की संपत्ति है। दलवार आंकड़ों पर गौर करें तो एनसीपी (शरद गुट) के दो उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा औसतन संपत्ति 54.64 करोड़ की संपत्ति है। पांचवें चरण में सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित करने वाले उम्मीदवार अनुराग शर्मा हैं। उत्तर प्रदेश के झांसी से भाजपा प्रत्याशी ने कुल 212 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। इस मामले में दूसरे स्थान पर निर्दलीय नीलेश भगवान सांभरे हैं। महाराष्ट्र की भिवंडी सीट से चुनाव लड़ रहे सांभरे ने अपने हलफनामे में 116 करोड़ की दौलत बताई है। तीसरे सबसे धनी प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी पीयूष गोयल हैं। महाराष्ट्र की मुंबई उत्तर सीट से चुनाव लड़ रहे गोयल की संपत्ति 110 करोड़ की है।उधर एक उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य घोषित की है। वहीं तीन उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति क्रमश 67 रुपये, 700 रुपये और 5427 रुपये बताई है।

लोकसभा चुनाव : 25 लाख 26 हजार 803 इंदौरी मतदाताओं में से लगभग साढ़े 15 लाख ने ही किया मतदान, नोटा का भी रहा असर

इंदौर में इस बार 8 प्रतिशत कम हुआ मतदान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में सुबह मौसम खुशनुमा था। इस बीच चुनावी बयार भी नजर आई। श्रमिक क्षेत्र, बाणगंगा, संगम नगर, अन्नपूर्णा क्षेत्र के बूथों पर कतारें दिखाई दी। धूप से बचने के लिए लोग सुबह जल्दी वोट डालने निकल गए थे। कुछ बूथों पर तो मतदान शुरू होने से पहले ही लोग वोट डालने आने लगे थे। ज्यादातर बूथों के बाहर कांग्रेस की टेबलें नजर नहीं आई। हरसिद्धि क्षेत्र में कांग्रेस नेता नोटा की टेबल लगाकर बैठे थे। जिसे पुलिस अफसरों ने हटवा दिया। बूथों के भीतर कांग्रेस के अभिकर्ता डटे नजर आए। वे निर्दलीय उम्मीदवारों के एजेंट के रूप में भीतर बैठे हुए थे।

शहर में बड़ी संख्या में साइकिलिंग, मार्निंग वाकर्स और योगा ग्रुप्स हैं। सभी ने पहले वोट डाला और फिर व्यायाम करने के लिए निकले। इंदौर में सुबह बादल छाए थे लेकिन मौसम में ठंडक के बावजूद वोटिंग का प्रतिशत सुबह कम रहा। दोपहर में तेज धूप निकली और 12 बजे से वोटिंग प्रतिशत सुधरना चालू हुआ, लेकिन इस बार वोटिंग पर्सेंट पिछली बार की तुलना में करीब 8 परसेंट कम रहा । शाम 6 बजे तक 61.10 परसेंट वोटिंग हुई। इस तरह कुल 25 लाख 26 हजार 803 मतदाताओं में से लगभग साढ़े 15 लाख ने ही वोट डाला है। इंदौर में वोटिंग कम होने के कयास पहले से ही लगाए जा रहे थे। इसमें कांग्रेस प्रत्याशी के नाम वापस लेने से कांग्रेस की नोटा मुहिम, लॉन्ग वीक एंड होने से लोगों के शहर से बाहर जाने और गर्मी के तीखे तेवर को कारण माना जा रहा था। लेकिन ऐन वक्त पर दो और कारण ऐसे जुड़ गए जिनके चलते वोटिंग प्रतिशत पिछली बार की तुलना में काफी कम रहा। हालात ये हो गए कि वोटिंग का टाइम खत्म होने से एक घंटा पहले मप्र सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से वोट डालने की अपील तक करना पड़ी।

दस साल पहले के वोटिंग प्रतिशत से भी कम मतदान

इंदौर में इस बार का वोटिंग प्रतिशत दस साल पुराने 2014 के वोटिंग परसेंट (62.25) पर आ गया। इससे पहले पिछली बार 2019 में वोटिंग परसेंट 69.56 रहा था। तब कुल 16 लाख 29 हजार 595 वोट डले थे। जिसमें से बीजेपी प्रत्याशी को 10 लाख 68 हजार 569 और कांग्रेस उम्मीदवार को 5 लाख 20 हजार 815 वोट मिले थे। बीजेपी प्रत्याशी ने 5 लाख से ज्यादा वोटों से पिछला चुनाव जीता था। इस बार साढ़े 15 लाख वोट पड़े हैं। कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में नहीं था। कांग्रेस ने लोगों से नोटा में वोट डालने की अपील की। ऐसे में अब ये कयास लगाए जा रहे है कि इसमें से नोटा को कितने वोट मिले होंगे। बीजेपी प्रत्याशी की जीत का मार्जिन अबकी बार क्या रहेगा। इन सभी सवालों से पर्दा 4 जून को चुनाव नतीजों के साथ उठेगा।

आखिरी एक घंटे में अचानक बारिश

इंदौर में लोकसभा चुनाव की वोटिंग के दौरान आखिरी एक घंटे में अचानक बारिश शुरू हो गई। शहर के बायपास इलाके में तकरीबन 4 बजे से तेज हवा के बाद बारिश शुरू हुई और ओले भी गिरे। पिछली बार 69त्न मतदान हुआ था। इस बार शाम 5 बजे तक दस घंटे में 56.53त्न मतदान हो गया। शाम 6 बजे मतदान केंद्रों पर प्रवेश बंद कर दिया गया। जो लोग इस समय तक अंदर आ चुके थे, सिर्फ वो ही मतदान कर पाए।

कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

वोटिंग के दौरान राऊ और नंदा नगर के सुगनी देवी कॉलेज परिसर में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। वहां पुलिस और सुरक्षा बल पहुंचे। विवाद कर रहे कार्यकर्ताओं को अलग किया। बताया जा रहा है कि यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों को नोटा पर वोट देने के लिए कह रहे थे। विधानसभा चार के बूथ क्रमांक 43 रामकृष्ण बाग पर पीठासीन अधिकारी शबनम खान ने भी लोगों को नोटा पर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इस पर विधायक मालिनी गौड़ ने आपत्ति ली और निर्वाचन अधिकारियों से शिकायत दर्ज करवाई।

कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष विनोद यादव के मकान पर पथराव

इंदौर में कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष विनोद यादव के मकान पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। विनोद का दिन में नंदा नगर पोलिंग बूथ पर विवाद हुआ था। शाम को उनके घर पर 15-20 लोग आए और विवाद करने लगे, इसके उन्होंने घर पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिए। बाहर खड़ी कार के शीशे भी फोड़ दिए। दरवाजे व खिड़की पर भी पथराव हुआ। विनोद यादव ने आरोप लगाया कि यह भाजपा के गुंडों ने घर आकर मारपीट की है। विवाद और पथराव की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

25 जगह ईवीएम में आई खराबी

जिले के ढाई हजार बूथों में से करीब 25 जगह मशीनों को तकनीकी खराबी के कारण बदला गया। इंदौर में ऐसा कोई बूथ नहीं रहा जहां चुनाव का बहिष्कार हुआ हो। सभी जगह वोट डाले गए।

गिने-चुने बूथों पर थी अन्य प्रत्याशियों की टेबलें

पहली बार कांग्रेस की गैरमौजूदगी के कारण भाजपा के पोलिंग एजेंट हर बूथ पर रहे। जबकि विपक्ष या अन्य प्रत्याशियों की टेबलें गिने-चुने बूथों के बाहर ही रहीं। कलेक्टर आशीषसिंह ने बताया मॉक पोल के बाद निर्धारित समय पर सभी मतदान केंद्रों में वोटिंग शुरू हुई।

तीन नंबर विधानसभा सीट पर सबसे कम मतदान

इंदौर की तीन नंबर विधानसभा सीट पर वोटरों की रुचि कम रही। सुबह 11 बजे इस सीट पर 20.18 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि दूसरी सीटों पर 25 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। इंदौर जिले में सुबह 11 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग देपालपुर विधानसभा सीट पर हुई। यहां 30.80 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी थी। दूसरे नंबर पर राऊ विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत वोटिंग हुई।

56 दुकान पर लगी लाइन

इंदौर के 56 दुकान पर मतदान करके आने वालों को सुबह फ्री पोहा जलेबी दिया गया। इसके साथ बुजुर्गों और पहली बार मतदान करने वालों को आइस्क्रीम और कोल्ड्रिंग्स भी फ्री मिली। पोहा जलेबी खाने वालों की लाइन 10 बजे तक लगी रही। एसोसिएसन ने कहा था कि 9 बजे तक ही फ्री पोहा जलेबी मिलेगा लेकिन लोगों का उत्साह और बढ़ती हुई भीड़ देखते हुए 10 बजे के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा।

वोटिंग के लिए छुट्टी नहीं देने पर एक कैफे सील

इंदौर में वोटिंग के लिए कर्मचारियों को छुट्टी नहीं देने पर एक कैफे सील किया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने मतदान के लिए छुट्टी न देने वाले सभी तरह के संस्थानों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि जो व्यावसायिक संस्थान अपने कर्मचारियों को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश नहीं दे रहे हैं, उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम सपना लोवंशी एवं पांच अन्य एसडीएम की टीम ने उन सूचनाओं पर कार्रवाई की।

व्हीलचेयर पर डालने पहुंचे वोट

सुबह से वोट डालने वालों में युवा, पुरुष और महिलाएं सभी शामिल रहे। इसमें कुछ ऐसे लोग भी थे, जिनके हौसले का कोई जवाब नहीं। सुबह अपने मताधिकार का उपयोग करने 86 वर्षीय रमेश चंद्र व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंचे। रमेश चंद्र का कहना था कि वे अपनी दिव्यांगता को अपनी जिम्मेदारी के बीच नहीं आने देते। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों बाद हमें यह अधिकार मिलता है, इसे यूंहीं नहीं गंवाना चाहिए।

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने किया मतदान

इंदौर के विजय नगर स्थित स्कीम नंबर 54 में ज्ञान चबूतरा से जुड़े सेवानिवृत्त अधिकारी, चिकित्सक और वरिष्ठ नागरिक का समूह ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। समूह के सभी सदस्यों ने एक साथ केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और उद्यान में एकत्र होकर समूह फोटो लेकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एडीजी मदन राने, पूर्व एसपी राजेश जायसवाल, पूर्व डीएसपी अशोक सोलंकी, पूर्व डिप्टी कमिश्नर एक्साइज नरेंद्र कुरील और डा. बीएस अग्रवाल सहित अन्य अफसर शामिल रहें।

तीन दिन की छुट्टी के कारण लोग बाहर चले गए

इंदौर में इस बार कम मतदान की वजह तीन दिन की छुट?टी भी रही। सोमवार को वोटिंग से पहले वीक एंड की वजह से लोग छुट?टी पर निकल गए। 3 दिन की लगातार छुट?टी लोगों को मिली। सेकेंड सेटर डे,रविवार और सोमवार को वोटिंग के लिए छुट?टी के चलते कई लोग शहर से बाहर घूमने चले गए। जिसके कारण भी वोटिंग पर्सेंट गिरा। कांग्रेस प्रत्याशी नहीं होने पर कई लोगों ने मतदान में रुचि नहीं दिखाई और परिवार सहित बाहर चले गए।

चुनाव निरस होने का वोट प्रतिश पर पड़ा असर

ऐसा पहली बार हुआ जब इंदौर में लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी मैदान में नहीं था। कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने 29 अप्रैल को नामांकन वापस ले लिया और बीजेपी में शामिल हो गए। कांग्रेस ने इसके बाद लोगों से नोटा में वोट डालने की अपील की। बीजेपी ने भी अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि लोग नोटा में वोट नहीं डाले। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से चुनाव एक तरह से नीरस हो गया। जिसका असर वोट पर्सेंट पर पड़ा।

तेज धूप और गर्मी ने भी मतदान पर डाला असर

तेज धूप, गर्मी और उमस ने भी लोगों को परेशान किया। दिन में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा। गर्मी के बीच भी मतदान केंद्रों पर लोगों की भीड़ नजर आई, लेकिन फिर भी कई लोग घरों से वोट डालने के लिए नहीं निकले। आखिरकार स्थिति ये बनी की पिछले लोकसभा चुनाव में जो पर्सेंट था उस तक पहुंच पाना मुश्किल हो गया। इस बार का वोट पर्सेंट 2014 के वोटिंग पर्सेंट के आसपास पहुंच गया।

सीबीएसई के रिजल्ट में उलझ गए मतदाता

सोमवार सुबह सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए। परिवार के सदस्य बच्चों के रिजल्ट में उलझ गए। कई पहली बार के वोटर रिजल्ट आने पर व्यस्त हो गए। शाम तक रिजल्ट को लेकर कई परिजन बच्चों के साथ व्यस्त रहे। कांग्रेस प्रत्याशी नहीं होने सहित अन्य समीकरण बनने से भी मतदान केंद्रों तक लोग नहीं पहुंचे।

सीयूईटी काउंसलिंग के लिए आठ ग्रुप में बांटे 43 कोर्स, एक दिन में पूरी होगी प्रवेश प्रक्रिया

सिटी चीफ इंदौर।
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने अपने विभगों से संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर सीयूईटी काउंसलिंग में पंजीयन शुरू कर दिए है। 43 पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय प्रशासन ने आठ ग्रुप में बांटा है, जिसमें मैनेजमेंट, यांत्रिकी, विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम रखे गए है। प्रत्येक ग्रुप की अलग-अलग दिन काउंसलिंग करवाई जाएगी। खास बात यह है कि तीन ऐसे ग्रुप में है, जिसमें एक-एक कोर्स रखे है। अधिकारियों के मुताबिक इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक दिन में प्रक्रिया पूरी करेंगे। आईआईपीएस, आईएमएस, ईएमआरसी, लॉ, फिजिकल एजुकेशन सहित 17 विभागों के 43 पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। 1473 सीटों

के लिए दस जून से काउंसलिंग का पहला चरण होगा। शेड्यूल अगले कुछ दिनों में विश्वविद्यालय जारी करेंगा, जिसमें प्रत्येक ग्रुप में रैंक के हिसाब से विद्यार्थियों को प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा। 10 से 15 जून के बीच पहला चरण खत्म होगा।

पहले चरण में देंगे अस्थाई प्रवेश

अभी ग्रुप के हिसाब काउंसलिंग का शेड्यूल नहीं बना है, जिसमें रैंक के अलावा एसटी-एससी, ओबीसी, सामान्य, ईडब्ल्यूएस के बारे में उल्लेख किया जाएगा। यह 25 मई तक जारी होगी। उसके आधार पर विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा कोर्स में प्रवेश लेने के लिए काउंसलिंग में हिस्सा लेना होगा। अधिकारियों के मुताबिक पहले चरण में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा, क्योंकि स्नातक अंतिम वर्ष का परिणाम नहीं आया है। इसके लिए विद्यार्थियों को शपथ पत्र देना होगा। उसके बाद ही पाठ्यक्रम में दाखिला दिया जाएगा।

सिर्फ एक हजार रुपये कटेंगे

काउंसलिंग में सीट आवंटन होने के बाद विद्यार्थी प्रवेश निरस्त करते है तो इन्हें फीस पूरी लौटाई जाएगी 30 अगस्त तक विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं लेने के बारे में संबंधित विभाग को सूचित करना होगा। फीस के लिए जमा राशि से सिर्फ एक हजार रुपये काटे जाएंगे।

आजाद नगर थाना क्षेत्र में लव जिहाद का मामला सामने आया

शादी करने के लिए बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव, इंदौर में 3 बेटियों की मां से धोखे और धमकी की कहानी...

इंदौर। आजाद नगर में शादी का झांसा देकर रेप करने और फिर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का केस दर्ज किया गया है। आरोपी पीड़िता के ही पति का दोस्त है। उसका घर पर आना-जाना था। पीड़िता के पति से अलग होने के बाद आरोपी ने शादी करने और बेटियों की देखभाल का झांसा देकर संबंध बनाए।

बाद में वह पीड़िता पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। इनकार करने पर दूसरी महिला से शादी कर ली। इसके बावजूद पीड़िता पर संबंध बनाने के लिए लगातार दबाव बनाता रहा। इससे परेशान होकर पीड़िता थाने पहुंची।

पीड़िता ने जो कहानी पुलिस को बताई... आजाद नगर पुलिस ने 33 साल की महिला की शिकायत पर मोईन शेख के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पूरे मामले के बारे में बताया, मेरी नाबालिग उम्र में ही शादी हो गई थी। मेरी तीन बेटियां है। पति से विवाद के चलते मैं तीन साल पहले अलग हो गई। सबसे बड़ी बेटी की कुछ माह पहले ही शादी हुई है। मैं दो बेटियों के साथ रहती हूं। मोईन शेख मेरे पति का दोस्त है। उसका घर पर आना-जाना लगा रहता था। पति के घर छोड़कर जाने के बाद

भी मोईन ने घर आना बंद नहीं किया। उसने मेरी बेटियों को कहा कि उसे भी पिता जैसा समझे। वह जरूरत पढ़ने पर हमें रुपए भी देने लगा। इसके बाद उसने मुझे भरोसा दिलाया कि कभी भी किसी चीज की जरूरत हो तो उसे बताए। मैं एक दिन घर पर अकेली थी। तब मोईन आया और कहा कि पति तुम्हें छोड़कर चला गया है। तुम चिंता मत करना मैं तुम्हारा ध्यान रखूंगा। इसके बाद कहने लगा कि एतराज ना हो तो हम शादी कर लेंगे। इसके बाद उसने संबंध बनाने के लिए कहा। मेरे इनकार करने पर जबरदस्ती करने लगा। इसके बाद संबंध बनाए ओर कहा कि मुझ पर भरोसा रखो। इसके बाद हमने कई बार संबंध बनाए। वो हर बार मुझे शादी करने का झांसा देता। बाद में शादी को लेकर बहानेबाजी की और कहने लगा कि तुम मेरे धर्म की नहीं हो मुझसे शादी करना है तो पहले धर्म बदलना पड़ेगा। इस बात से इनकार किया तो उसने जान से मारने की धमकी दी। कहा कि धर्म परिवर्तन नहीं करती हूं तो दोनों बेटियों को मार देगा। कुछ समय से उसने घर आना-जाना कम कर दिया। इसके बाद जानकारी निकाली तो पता चला कि मोईन ने किसी दूसरी महिला से शादी कर ली है। उससे बात की तो उसने कहा कि जो तुमसे बने कर लो। अब शादी तो नहीं होगी। तुम्हें इसी तरह से रहना हो तो रहो। इसके बाद अपने परिचितों को मामले की जानकारी दी और थाने पहुंच कर मोईन के खिलाफ केस दर्ज कराया ।

इंदौर में 12वीं के स्टूडेंट की गोली मारकर हत्या,पिता बोले-बड़े बेटे के ससुर ने कराया मर्डर, बेटी की लव मैरिज से नाराज था

इंदौर। 12वीं क्लास के स्टूडेंट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप उसके बड़े भाई के ससुर पर है। मामला आजाद नगर में रविवार सोमवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे का है। मृतक की पहचान आजाद नगर निवासी मोइन खान (18) के रूप में हुई है। उसके पिता रफीक खान पेशे से मैकेनिक हैं। उन्होंने बताया कि मोइन उनका सबसे छोटा बेटा था। सबसे बड़ा बेटा परिवार से अलग रहता है। मंझला मुबस्सिर सेल्समैन है, जिसने कुछ समय पहले लव मैरिज की है। रफीक ने कहा, रविवार रात को एक लड़का घर आया और बोला कि शादी के कार्ड बांटना है। मैं उसे नहीं जानता। मोइन उसे जानता था। वह लड़के के साथ चला गया। करीब

15 मिनट कुछ लोग मेरे घर आए और बोले कि मोइन को किसी ने गोली मार दी है। मैं मौके पर पहुंचा तो पता लगा कि मोइन को एमवाय अस्पताल ले गए। मैं पत्नी सबीना खान के साथ अस्पताल पहुंचा। वहां पता लगा कि मोइन की मौत हो गई है। रफीक खान ने बताया, %मोइन की हत्या मंझले बेटे मुबस्सिर के ससुर आरिफ खिलजी ने कराई है। आरिफ कहता था कि मुबस्सिर उसकी लड़की को जबरन भगा ले आया है। उसने हमारी मर्जी के बिना बेटी से शादी की है। वह बदला लेने की बात भी कर रहा था। आरिफ ने थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जब हम थाने पहुंचे तो आरिफ ने धमकी दी थी कि उसकी बेटी नहीं लौटी तो वह हमारे एक बेटे को छीन लेगा। पहले भी आरिफ मोइन पर हमला करवा चुका है। हमने आजाद नगर थाने में शिकायत की थी लेकिन वहां सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने बताया, %मोइन को आजाद नगर में नूरानी मस्जिद के पास गोली मारी गई। जांच में पता चला है कि उसकी हत्या में आरिफ निवासी स्काय अपार्टमेंट स्नेहलतागंज, नाहीद जाटू निवासी खजराना, युसुफ अंसारी निवासी बड़वाली चौकी और वसीम निवासी खंडवा शामिल हैं। उनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, आरिफ खिलजी चार महीने से मुबस्सिर को मारने की प्लानिंग कर रहा था। उसने इंदौर के कुछ शूटर्स से बात की थी। सौदा नहीं तय होने पर उसने खंडवा से वसीम को हायर किया। मोइन को गोली वसीम ने ही मारी है। एक अन्य आरोपी नाहीद विजयनगर के हिस्ट्रीशीटर बदमाश मुख्तियार का साथी है। वही मोइन का चेहरा दिखाने वसीम के साथ गया था। नाहीद और आरिफ रिश्तेदार हैं।

बेटी ने भागकर की थी शादी, संपत्ति में हिस्सा मांगा तो सुपारी देकर पिता ने करवाई जेठ की हत्या

इंदौर। आजाद नगर में हुई युवक की हत्या में मार्बल कारोबारी आरिफ खिलजी का हाथ सामने आया है। आरिफ ने सुपारी देकर हत्या करवाई है। साजिश में शामिल दो युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया है। दोनों मृतक मोईन के दोस्त हैं जो 700 रुपये लेकर मोईन को गली तक ले गए थे।20 वर्षीय मोईन पुत्र रफीक खान की रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। स्वजन ने आरोप लगाया कि हत्या में आरिफ खिलजी (स्नेहलतागंज), नाहिद जाटू (खजराना), युसूफ अंसारी (बड़वाली चौकी) व वसीम चौहान (स्नेहलतागंज) शामिल हैं। सोमवार सुबह पुलिस ने मोबाइल की काल डिटेल के आधार पर मोईन के दोस्त अहमद व इलियास को आजाद नगर से पकड़ लिया। दोनों ने पूछताछ में बताया कि हत्या आरिफ खिलजी ने करवाई है। आरिफ ने दो शूटर बुलाए थे जो गोली मारकर भाग गए। अहमद और इलियास का काम मोईन को घर से बुलाकर नूरानी मस्जिद तक लाना था। इस काम के बदले उन्हें 700-700 रुपये मिले थे।

आठ वर्षीय मासूम से होस्टल में दुष्कर्म करने वाला स्कूल संचालक गिरफ्तार

एफआइआर के 13 दिन बाद कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

मिसरोद पुलिस ने निजी स्कूल के संचालक मिनीराज मोदी को आठ वर्षीय मासूम से छात्रावास में दुष्कर्म के मामले में सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस मामले को जांच के नाम पर 13 दिन लटकाए हुए थी। ऐसा पहली बार देखने को मिला , जब मासूम बच्ची के मामले में पुलिस ने तीन बार मेडिक्ल कराया और शहर की जानी मानी चार स्त्री रोग विशेषज्ञों की सलाह ली गई। इसके पीछे पुलिस की नीयत क्या थी, यह तो नहीं पता, लेकिन बाल कल्याण समिति के सामने मासूम के बयान में भी

घटनाक्रम के दोहराने के बाद पुलिस को आखिरकार आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर होना ही पड़ा। हम बता दें कि श्यामला हिल्स इलाके में रहने वाले 38 वर्षीय महिला मिसरोद थाने में 30 अप्रैल को एक निजी स्कूल के छात्रावास में पढ़ने वाली उनकी आठ वर्षीय मासूम से दुष्कर्म की शिकायत लेकर पहुंची थी। बाद में पुलिस ने इस मामले में शुरूआत में तीन अज्ञात आरोपितों पर दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की धाराओं में एफआइआर दर्ज की थी। बाद में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करने की वजह बच्ची की मां का आपराधिक रिकार्ड निकाला और उसके बाद मासूम का तीन बार मेडिक्ल कराया गया, जबकि इससे पहले मासूम के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने ऐसा नहीं किया था। इस मामले में जांच के नाम पर पूरे 13 दिन बाद पुलिस को आरोपित को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पुलिस ने अभी उन दो की गिरफ्तारी नहीं की है, जिन्होंने बच्ची के साथ घटना में आरोपित की मदद की

गैस की अवैध रिफिलिंग करने वाले पति-पत्नी को रातीबड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

रातीबड़ पुलिस ने अवैध रूप से गैस फिलिंग करने वाले दो आरोपितों को 32 गैस सिलिंडर के साथ गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सिद्धि विनायक कालोनी रोड पर स्थित एक मकान में छापामार कार्रवाई की, जहां पति-पत्नी अवैध रूप से घरेलू गैस सिलिंडर से रिफिलिंग का काम कर रहे थे। साथ ही कारो में भी गैस भरने का काम करते थे। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो देखा कि कुछ लोग घरेलू सिलिंडर को लेकर घर के अंदर जा रहे हैं और कुछ देर बाद गैस सिलिंडर लेकर वापस आ रहे हैं। साथ ही आसपास गैस की बदबू भी आ रही थी।

इसके बाद पुलिस टीम मकान के अंदर पहुंची और आरोपितों से सिलेंडरो से संबंधित दस्तावेजो के बारे में पूछताछ की, जिस पर उनके

द्वारा कोई जवाब नहीं दिया और ना ही कोई दस्तावेज प्रस्तुत किये गए। जिसके बाद पुलिस ने पति-पत्नी के कब्जे से गैस भरने वाली सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में ट्रांसफर करने वाली नोजल दो नग, चार पहिया वाहन में गैस भरने वाली इलेक्ट्रिक मोटर व एक इलेक्ट्रिक तौल कांटा एवं छोटे-बडे घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर समेत कुल 32 नग सिलिंडर जब्त किए गए। साथ ही आरोपितों को हिरासत में लेते हुए उनके खिलाफ 184/24 धारा 285 भादवि, 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

नाबालिग ने घर में की खुदकुशी बहन ने फंदे पर लटका देखा शव

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के गोविंदपुरा इलाके में एक किशोरवय बालक ने अपने घर में खुद को साड़ी के फंदे से लटकाकर खुदकुशी कर ली। वह तीन बहनों का इकलौता भाई था। घटना के वक्त उसके माता-पिता बिहार गए थे। बड़ी बहन ने जब उसे फंदे पर लटका देखा तो शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट न मिलने की वजह से फिलहाल खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक बरखेड़ा निवासी अभिनंदन शाह (14) कक्षा छठवीं का छात्र था। दो दिन पहले बच्चे के माता-पिता बिहार में किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। घर में अवधेश के अलावा उसकी तीन बहनें भी थीं। सबसे बड़ी

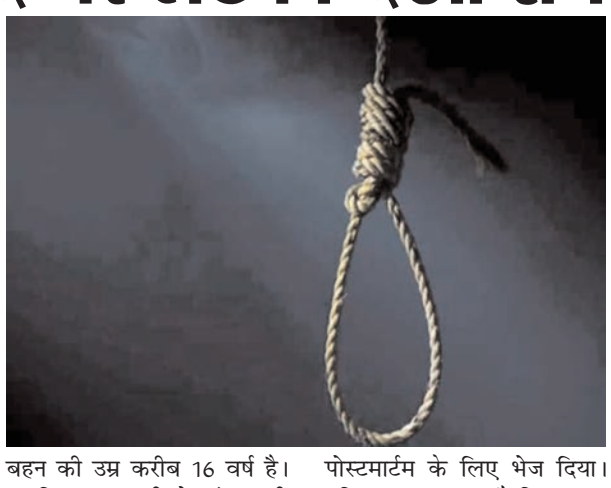

बहन की उम्र करीब 16 वर्ष है। जबकि मृतक तीसरे नंबर की संतान था। रविवार दोपहर उसने अपने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। बड़ी बहन दीप्ति शाह ने उसे फंदे पर लटका देख पड़ोसियों को बुलाया। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का अनुमान है कि माता-पिता ने उसे अपने साथ बिहार ले जाने से मना किया होता। संभवतः इसी वजह से उसने यह कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अवैध रूप से संचालित हो रहे चार मैरिज गार्डन, रेस्तरां पर हुई तालाबंदी की कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में नगर निगम की अनुमति के बिना अवैध रूप से संचालित हो रहे मैरिज गार्डन, शादी हाल, रेस्टोरेंट, बेन्क्वेट हाल के विरुद्ध जांच-पड़ताल अभियान के तहत कार्रवाई लगातार जारी। इसी सिलसिले में नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों के दल ने नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के निर्देश पर जांच के बाद सोमवार को चार मैरिज गार्डन पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जांच में शेरवुड रेस्टोरेंट एंड बार, कियोस्क काफी रेस्टोरेंट, कंट्रीसाइड मिंडोस एवं ट्यूनेस्ड मैरिज गार्डन को सील किया गया। इन चारों को मिलाकर अब तक 45 मैरिज गार्डन के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है।

इससे पूर्व निगम के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निगम की अनुमति प्राप्त किए बगैर अवैध रूप से संचालित अनेक मैरिज गार्डन, शादी हाल आदि पर तालाबंदी की कार्रवाई की थी।शराब दुकान के बाहर गंदगी पर 05 हजार रुपये वसूला जुर्माना

नगर निगम का अमला सोमवार को वार्ड नंबर-69 अशोका गार्डन क्षेत्र स्थित कम्पोजिट देशी एवं अंग्रेजी शराब की दुकान का निरीक्षण करने पहुंचा। इस दौरान अमले को दुकान के बाहर बड़ी संख्या में प्लास्टिक ग्लास, पाउच, पानी की बाटलें व अन्य प्रकार की गंदगी पाई गई। जिस पर जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक ने मदिरा दुकान संचालक के विरुद्ध 05 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। साथ ही अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 169 प्रकरणों में कुल 69 हजार 350 रुपये जुर्माना वसूल किया गया।

रानी कमलापति स्टेशन से खाटूश्याम, वैष्णोदेवी दर्शन के लिए चलेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

सिटी चीफ भोपाल।

खाटूश्याम और उत्तर भारत दर्शन के लिए पांच जून को चलाई जाने वाली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने रानी कमलापति से चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन सहित सीहोर, शुजालपुर, देवास, इंदौर, रतलाम, नागदा, शामगढ़ और कोटा स्टेशन होते हुए गुजरेगी। आईआरसीटीसी द्वारा जारी सूचना के अनुसार 10 रात और 11 दिन के इस टूर पैकेज में यात्री जयपुर, खाटूश्यामजी, मथुरा, हरिद्वार, अमृतसर और वैष्णोदेवी के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। केज की बुकिंग

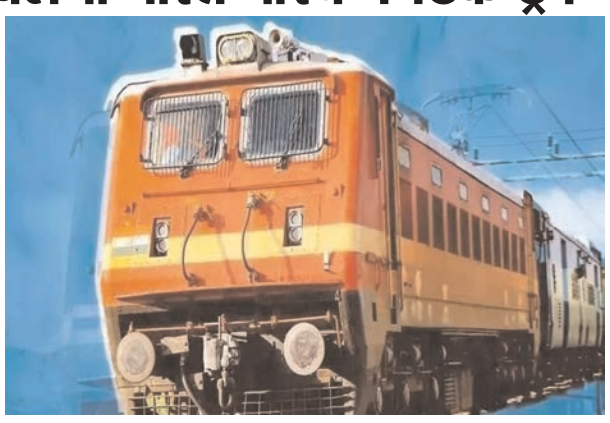

शुरू हो चुकी है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर) में बुकिंग कराने पर यात्रियों को 28650 और स्टैंडर्ड श्रेणी (थर्ड एसी) के लिए 37500 रुपए चुकाना होंगे। टूर पैकेज में आन बोर्ड और आफ बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन, अच्छी बसों से यात्रा, आवास, यात्री बीमा, सुरक्षा और हाउसकीपिंग आदि की सुविधाएं दी जाएंगी।

युवकों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए पी लिया जहरीला पदार्थ

वीडियो इंटरनेट मीडिया पर किया बहुप्रसारित

सिटी चीफ भोपाल।

शाहपुरा में दो लोगों ने जहरीला पदार्थ(मॉस्किटो लिक्विड) पी लिया। यह कदम उठाने पहले दोनों ने मोबाइल पर वीडियो बनाया और उक्त वीडियों को इंटरनेट मीडिया के अलग - अलग माध्यमों पर बहुप्रसारित कर दिया। वीडियो में दोनों जहरीला पदार्थ पीते नजर आ रहे हैं। पुलिस डॉक्टरों से मामले में सलाह ले रही है और दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस के मुताबिक भाजपा नेता अवतार राजपूत ने इंटरनेट मीडिया बहुप्रसारित वीडियो में पारस मीणा और राहुल मीणा पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। उसका कहना है कि दोनों मिलकर मेरे खिलाफ झूठे प्रकरण दर्ज करा रहे हैं। इससे उनकी मां परेशान है। इसी तरह पारस मीणा ने भी एक वीडियो इंटरनेट मीडिया के माध्यम

व?हाट्सएप पर जारी किया और उसने अवतार सिंह राजपूत पर आरोप लगाते हुए कहा कि अवतार सिंह मेरे खिलाफ और भाई राहुल के खिलाफ साजिश करता है।

युवक को कुचलते हुए झुग्गी में घुसी एसयूवी, घर के बाहर बैठे युवक की मौत

दो झुग्गियां तहस- नहस

सिटी चीफ भोपाल।

एमपी नगर इलाके में स्थित राजीव नगर झुग्गी के बाहर बैठे युवक को एसयूवी ने रौंद दिया।उसके बाद वह चार फीट नीच उतरकर सड़क किनारे बनी दो झुग्गियों में जा घुसी, जिससे झुग्गियां तहस- नहस हो गईं। हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय में कार में तीन लोग सवार थे। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर एसयूवी को जब्त कर लिया है।

कोर्ट की ओर से आई एसयूवी

पुलिस के अनुसार राजीव नगर, केंद्रीय स्कूल के पास रहने वाले 27 वर्षीय संजय उर्फ संजू मनोरी पुताई का काम करता था। उसके भाई विजय मनोरी ने बताया कि रविवार रात गर्मी अधिक लगने के कारण वह और उसका भाई संजय झुग्गी के बाहर निकल आए थे। विजय सड़क पर टहल रहा था, जबकि संजय झुग्गी के सामने बैठा हुआ था। तभी कोर्ट की तरफ से एक काले रंग की एसयूवी तेज रफ्तार में आई और संजय को रौंदते हुई सड़क से नीचे झुग्गी में जा घुसी। घटना रात करीब पौने दो बजे की है। एसयूवी का एक टायर संजय के पेट के ऊपर

से गुजरा था। बाद में संजय को नाजुक हालत में अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी मौत हो गई। एसयूवी के झुग्गी और दुकान में घुसने के कारण जोरदार आवाज आई थी और करीब की झुग्गियों में सो रहे लोगों की नींद खुल गई। लोग एसयूवी के पास पहुंचे तो उसमें तीन युवक थे। तीनों को मेडिक्ल कराया गया है। सूचना मिलते ही इलाके में गश्त कर रही पुलिस मौके पर पहुंच गई और तीनों को लेकर थाने पहुंची थी। पुलिस ने कार चालक पर देर रात ही गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया। आरोपित अशोकागार्डन के एक जनप्रतिनिधि के समर्थक बताए जा रहे हैं।

बैरागढ़ से 40 लाख रुपये बरामद

परिचित के यहां छिपाए थे, कारोबारी के यहां छापेमारी का मामला

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र में कारोबारी कैलाश खत्री के पास से पुलिस को 40 लाख रुपये और मिले हैं। कारोबारी ने यह रुपये पहले अपनी महिला रिश्तेदार के घर पहुंचा दिए थे, इसके बाद बैरागढ़ में दो महिलाओं के घर और फिर एक अन्य परिचित के घर में छिपाकर रखे थे। पुलिस ने करीब 40 सीसीटीवी खंगालने के बाद रूट मैप बनाया और बैरागढ़ निवासी परिचित के घर से रकम बरामद कर ली। अब इन लाख रुपये के साथ बरामद की गई कुल रकम 71 लाख के करीब पहुंच चुकी है। पुलिस का कहना है कि रकम और मिलने की संभावना है। पुलिस ने पूरी रकम को जब्त कर आयकर विभाग को सूचित कर दिया है। आगे की जांच अब आयकर विभाग करेगा। डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि मामले में एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे के नेतृत्व में टीम अन्य एंगल से भी जांच कर रही थी। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कारोबारी के बैरागढ़

स्थित अन्य ठिकाने पर पुलिस ने दबिश दी थी। यहां से पुलिस ने नोटों से भरे छह बैग बरामद किए। इनमें 40 लाख 11 हजार चार सौ रुपये मिले। इस प्रकार पूर्व में बरामद 32 लाख व अब मिले 40 लाख रुपये मिलाकर कुल रकम अब 71 लाख 69 हजार 473 रुपये पहुंच गई है। बताया जाता है कि कैलाश खत्री के स्वजन पुलिस की छापामार कार्रवाई के तत्काल बाद नोटों से भरे बैग लेकर भाग गए थे। इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से हुई है। 40 से अधिक कैमरों के फुटेज चेक कर पुलिस ने पाया कि बैग पहले पंजाबी बाग निवासी कारोबारी के रिश्तेदार के घर पहुंचाए गए। उसके बाद तीन अलग-अलग स्थानों पर बैगों को पहुंचाया गया था। घटना में टीआइ समेत पांच पुलिसकर्मियों का निलंबन हो चुका है। पुलिस पर रकम को गायब करने के आरोप लग रहे थे, इसलिए पुलिस ने मामले में शाहपुरा, कमला नगर थाने के चुनिंदा पुलिसकर्मियों को जांच में शामिल किया था। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले, तो उनमें पुलिस को कैलाश खत्री के रिश्तेदार के हाथ में बैग नजर आ गए, लेकिन वह लगातार पुलिस को गुमराह कर रहा था, जबकि सीसीटीवी फुटेज से सारा मामला साफ हो गया।

संपादकीय

धान गारंटी दे पाएगा कि तपस्या के लिए किसी शंबूक की हत्या न हो?

भक्ति तर्क और तथ्य से परे होती है। भक्ति में डूबकर लिखे गए किसी भी आख्यान या मान्यता को तथ्यों की कसौटी में नहीं कसा जा सकता। जब कोई कहता है कि 'मेरी ऐसी मान्यता है', तो बात वहीं ख़त्म हो जाती है। दुनिया के सभी धर्म सिर्फ़ मान्यता की बुनियाद पर टिके हुए हैं। मान्यता है कि ईसा मसीह का जन्म कुँवारी मरियम के गर्भ से हुआ था। मान्यता है कि इस्लाम के पैग़म्बर मोहम्मद बुर्राक घोड़े पर सवार होकर सात आसमानों के पार अल्लाह से मिलने गए। मान्यता है कि क़यामत के रोज़ सब मुर्दे अपनी-अपनी क़ब्रों से उठ खड़े होंगे और अल्लाह उनका हिसाब-किताब करेगा। मान्यता है कि हज़रत मूसा ने समंदर को फाड़कर रास्ता बना दिया था। मान्यता है कि ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की, विष्णु ने उसे सजाया-सँवारा और शिव उसका संहार करेंगे। मान्यता है कि भगवान राम का जन्म अयोध्या नगरी में ठीक उस जगह पर हुआ था जहाँ बाबर के सिपहसालार मीर बाक़ी ने 1528 में बाबरी मस्जिद बनाई। इन मान्यताओं को चुनौती कैसे दी जा सकती है? आप ऐतिहासिक तथ्यों पर विवाद कर सकते हैं। नए तथ्य प्रस्तुत कर सकते हैं। वैज्ञानिक अवधारणाओं को झुठला सकते हैं। पर भक्ति रस में डूबे किसी व्यक्ति के विश्वास को तर्क की कसौटी पर कैसे कसेंगे? 'राम फिर लौटे' विश्वास और भक्ति के ऐसे ही रस में डूबकर लिखी गई है। इसके लोकार्पण का समय बहुत महत्वपूर्ण है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से लगभग एक महीना पहले दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों की मौजूदगी में इसका लोकार्पण किया गया। किताब का शीर्षक संघ परिवार और उसके समर्थकों के इस दावे पर मुहर लगाता है कि पूरे 500 बरस बाद राम अयोध्या लौटे हैं। भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों ने प्राण प्रतिष्ठा के आसपास गाना शुरू कर दिया था जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएँगे ङ्क दुनिया में फिर से हम भगवा लहराएँगे! पर राम गए कहाँ गए थे और उन्हें लौटा कर कौन लाया है? इस सवाल का जवाब कई बार प्रकट तो कई बार संकेतों में दिया जाता है कि 1528 ईसवी में राम को एक बार फिर से अयोध्या छोड़कर जाना पड़ा था और अब 500 बरस बाद इस युग के हिंदू हृदय सम्राट ने उन्हें वापिस लाकर अयोध्या में उनके विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की है। इसलिए हिंदुत्व का गायक सीधे वोटरों से अपील करता है ङ्क जो राम को लाए हैं, हम उनको (सत्ता में) लाएँगे। इसके प्रकाश में किताब के शीर्षक 'राम फिर लौटे' का निहितार्थ पूरी तरह स्पष्ट हो जाता है।हेमंत शर्मा को राम के 'लौटने' पर किताब लिखने की प्रेरणा दो दिशाओं से मिली ङ्क पहली किसी 'अदृश्य दैवीय शक्ति' से और दूसरी विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार से। 'राम फिर लौटे' किताब विश्व हिंदू परिषद के कहने पर लिखी गई है ङ्क ये जानकारी खुद विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने पुस्तक के विमोचन के दौरान दी थी। इसी अवसर पर हेमंत शर्मा ने भी बताया था तो इस तरह इहलौकिक और पारलौकिक प्रेरणाओं के समागम से ही इस किताब का जन्म संभव हुआ, ऐसा बताया गया है। शायद यही कारण है कि इसमें कई तरह के रंग नज़र आते हैं और कई बार ये बूझ पाना मुश्किल हो जाता है कि किताब में इहलौकिक क्या है और पारलौकिक क्या! पता ही नहीं चलता है कि तथ्यों के प्रति सजग एक अनुभवी रिपोर्टर और संपादक लिखते-लिखते कब अपने आराध्य देव को पुष्पांजलि देने लगता है। कब इतिहास की तिथियाँ और तथ्य लोकप्रिय मिथकीय कहानियों में घुलमिल जाते हैं और कब उनमें दंतकथाएँ दबे पाँव आकर पसर जाती हैं। राम की सत्ता का विस्तार अखिल विश्व में था इसके सबूत के तौर पर हेमंत ने रामकथा से प्रभावित तमाम आख्यानों का ज़िक्र अपनी किताब में किया है। इसमें कोई शक नहीं कि रामकथा का विस्तार जावा-सुमात्रा से लेकर वियतनाम और कंबोडिया तक है। राम अब भी उन संस्कृतियों का हिस्सा हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब कई बार तमाम क़िस्से कहानियों को भी रामकथा के विश्वव्यापी विस्तार के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। इन क़िस्सों को पेशेवर पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकार ऐसी बतकही से ज़्यादा और कुछ नहीं मानते हैं, जिसे किसी ठोस वैज्ञानिक खोज या अध्ययन के आधार पर साबित नहीं किया जा सका है। मसलन, ये कहना कि 'इटली में पाँचवीं शताब्दी ईसापूर्व रामायण से मिलते-जुलते चित्र दीवारों पर मिले हैं। इटली में मिले इन चित्रों में राम, लक्ष्मण, सीता का वनगमन, सीताहरण, लव-कुश द्वारा घोड़ा पकड़ना, हनुमान का संजीवनी लाना आदि प्रमुख हैं।' या दक्षिण अमेरिका में होंडुरास के घने जंगलों में 'हनुमान जी की प्रतिमा' का पाया जाना आदि। ऐसी सामग्री से इंटरनेट भरा हुआ है। गूगल सर्च करेंगे तो कई लेख मिल जाएँगे जिनमें कहा गया है कि मक्का में हरम शरीफ़ में रखा गया काला पत्थर वास्तव में शिवलिंग है। ऐसा इशारा करने वालों में हिंदुत्व के समर्थक फ़्रांसीसी पत्रकार और लेखक फ़्रांसुआ गोतिये भी शामिल हैं। उन्होंने 16 जनवरी 2017 को ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें कई लोग एक लिंगाकार पत्थर को चूमते और हाथों से छूते नज़र आते हैं। गोतिये ने लिखा ङ्ककई बार सुना है कि मक्का के काबा का पत्थर प्राचीन शिवलिंग है। सोशल मीडिया पर पहली दफ़ा पोस्ट किया गया ये वीडियो इस बात को सिद्ध कर सकता है या नहीं कर सकता है।उन्होंने वाक़ई लिखा है कि दिस वीडियो मे और मे नॉट प्रूव इट। क्या ऐसी कपोल कल्पनाओं को अकाट्य सत्य की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है?सबसे कमाल की बात तो ये है कि लेखक ने उस विवादास्पद 'तुलसी दोहा शतक' को भी किताब में शामिल कर लिया है जिसकी प्रामाणिकता पर नामवर सिंह जैसे हिंदी के नामी आलोचक और दुर्धर्ष विद्वान तक ने शक जताया था। अदालतों में मंदिर-मस्जिद विवाद की जिरह के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से ये बार बार कहा जाता था कि अगर मुग़लों ने राम मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाई तो गोस्वामी तुलसीदास जैसे भक्त-कवि ने इस पर कुछ क्यों नहीं कहा? उन्होंने तो लिखाः माँग के खइबो, मसीत को सोइबो लैबे को एकु न दैबे को दोऊ (यानी भिक्षावृत्ति करके खाता हूँ और मस्जिद में सो रहता हूँ ङ्क किसी से लेना एक न देना दो)। अगर उनके जीवनकाल में राम जन्मभूमि मंदिर का ध्वंस होता तो तुलसीदास इस पर ज़रूर लिखते।इस दलील को चित्त करने की गरज से चित्रकूट की तुलसी पीठ के प्रमुख रामभद्राचार्य 2003 में एक अजब 'सबूत' लेकर अदालत गए। उन्होंने हलफ़नामा देकर दावा किया कि तुलसीदास ने राममंदिर ध्वंस के बारे में 'तुलसी दोहा शतक' में सबकुछ लिख दिया है। मगर जो दोहे अदालत में पेश किए गए वो तुलसी की श्रेष्ठ कविता की ध्वनि और मुहावरे से किसी भी सूरत मेल नहीं खाते।हेमंत शर्मा ने अपनी पुस्तक में रामभद्राचार्य के हलफ़नामे में दिए गए ये दोहे छाप दिए हैं, साथ ही टिप्पणी भी लिखी हैः तुलसी ने जो लिखा, लगता है, उनका आँखों देखा हाल है। तब न बाबरी एक्शन कमेटी थी, न रामजन्मभूमि न्यास। तुलसीदास ने जो देखा, वही लिखा। हिंदी के कुछ वामपंथी आलोचक तुलसीदास के इस दोहा शतक की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े करते हैं। पर हाईकोर्ट ने 'दोहा शतक' को संज्ञान में लिया, इसलिए हम इसका यहाँ ज़िक्र कर रहे हैं। यानी हेमंत ने मान लिया है कि ये दोहे तुलसीदास ने ही लिखे होंगे, और जो देखा वही लिखा।ये कौन 'वामपंथी आलोचक' हैं जिन्होंने रामभद्राचार्य के 'दोहा शतक' की प्रामाणिकता पर संदेह प्रकट किया है? हेमंत ने इस पुस्तक में किसी का नाम नहीं लिखा है लेकिन 'तुलसी दोहा शतक' को पूरी तरह अप्रामाणिक मानकर ख़ारिज करने वाले सबसे बड़े हिंदी के आलोचक नामवर सिंह थे। उन्हीं नामवर सिंह ने हेमंत शर्मा की 'युद्ध पर अयोध्या' और 'अयोध्या का चश्मदीद' की तारीफ़ करते हुए कहा कि 'तुलसीदास के 500 बरस बाद किसी काशीवासी ने अयोध्या पर ऐसी रचनाएँ लिखी हैं'। हेमंत ने इसी विवादास्पद और मशकूक 'तुलसी दोहा शतक' को राममंदिर ध्वंस के सबूत के तौर पर लगभग स्वीकार कर लिया है। लेकिन ये आमफ़हम बात है कि सबसे प्रामाणिक तुलसी साहित्य या तो गीताप्रेस, गोरखपुर ने प्रकाशित किया है या नागरी प्रचारिणी सभा ने। इन दोनों ने ही 'तुलसी दोहा शतक' को प्रकाशित नहीं किया है।

बयानबाजी, अफवाहें और भय का सूचकांक सूचनाओं की अधिकता से फोकस में हो रही कमी

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अटकलों का बाजार गर्म है। बयानबाजी और अफवाहों की बाढ़ से विशेषज्ञ भी संदेह और घबराहट में हैं। पिछले बृहस्पतिवार को बेंचमार्क सेंसेक्स 1,000 अंकों से यादा गिर गया और शेयर बाजार के भय का सूचकांक (भारत वीआईएक्स अस्थिरता सूचकांक) अप्रैल के बाद बढ़ गया और इस हफ्ते 19 महीने के उचतम स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चार जून के बाद बाजार में तेजी आने वाली है। यह घबराहट अपरिहार्य है। आंकड़ों पर निर्भर नागरिक, कॉरपोरेट दिग्गज और निवेश बैंकर अफवाहों और विरोधी टिप्पणियों पर बारीक नजर रखने के लिए स्पीड-डायलिंग और गूगल कर रहे हैं। लोकसभा सीटों की कई गणनाओं को लेकर बाजार चिंतित है। मुख्य रूप से ध्यान कर्नाटक, महाराष्ट्र और बिहार पर है, जहां 116 सीटों में से अकेले भाजपा ने पिछली बार 65 सीटें जीती थीं। क्या भाजपा इसे दोहरा सकती है? यदि इन रायों में पार्टी को नुकसान हुआ, तो क्या वह आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में उसकी भरपाई कर लेगी? कॉरपोरेट जगत बिहार की सीटों पर नीतीश के प्रभाव के असर को लेकर चर्चा कर रहा है। वे महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों के नुकसान का आकलन कर रहे हैं। क्या उत्तर प्रदेश में जातीय गणित का फैलाव और अफवाहों का प्रसार वास्तविक है? वे गुजरात में संभावित नुकसान की सुगबुगाहट, राजस्थान में चार-पांच सीटों पर अनिश्चितता और दिल्ली में केजरीवाल के प्रभाव के बारे में भी जानना चाह रहे हैं। उन्हें इस बात को लेकर हैरानी हो रही है कि क्या कर्नाटक में मोदी की गारंटी पर कांग्रेस की गारंटी भारी पड़ रही है। सितंबर, 2023 में एक वरिष्ठ निवेश बैंकर ने हवा में एक सवाल उछाला था कि क्या भाजपा के सत्ता में न लौटने का कोई खतरा है? पटना में विपक्षी गठबंधन बनने के बाद यह कठिन पहेली सामने आई थी। दस साल के शासन के खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन किसी रुझान के लिए यह बहुत जल्दबाजी थी। उसके कुछ महीने बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सारे संदेहों को खत्म करते हुए जीत हासिल की। फिलहाल भाजपा की अगुवाई में राजग की 2019 की जीत को याद करना उपयोगी होगा। राजग गठबंधन ने गुजरात की सभी 26, महाराष्ट्र की 48 में से 41, बिहार की 40 में से 39, कर्नाटक की 28 में से 25, राजस्थान की 25 में से 24, मध्य प्रदेश की 29 में से 28 और छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में से नौ पर जीत हासिल की थी। मोदी के जादू ने 50 फीसदी से अधिक वोटों के साथ इन रायों में 2014 के 136 सीटों को 2019 में 224 कर दिया था और हिंदी पट्टी में जीत से उन महत्वपूर्ण 200 सीटों पर जीत की संभावना थी, जहां भाजपा का कांग्रेस के साथ सीधा मुकाबला था। फरवरी 2024 में भाजपा ने अपने गढ़ में अबकी बार 400 पार का नारा दिया था। इसके पीछे अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह था और समान नागरिक संहिता के वादे ने भाजपा के मूल मतदाताओं को सक्रिय कर दिया था। इसे कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थियों के एक बड़े जनाधार की नींव पर तैयार किया गया था और 2047 तक 'विकसित भारत' के वादे के अनुरूप बनाया गया था। निवेश-आधारित विकास पर ध्यान देने से शेयर बाजार के सूचकांक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए, जिससे निवेशक समुदाय रोमांचित हो गया। लेकिन मई आते-आते सीटों में कमी की बातें होने लगीं। आखिर बीच के इन हफ्तों में ऐसा क्या बदलाव हुआ, जिसने नए सवालों को प्रेरित किया? प्रचार अभियान की रणनीति में बदलाव को लेकर सट्टेबाजों और आम जनता में काफी हैरानी है। पहले चरण में कम मतदान की आशंका के बाद भाजपा ने पहचान की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके चलते बड़े पैमाने पर ध्रुवीकरण हुआ है। केजरीवाल ने अपने प्रचार अभियान के दौरान उत्तराधिकारी के सवाल को उछाल दिया, जिस पर सुगबुगाहट जारी है। संघ परिवार के साथ भी मतभेद की बातें बार-बार उठ रही हैं। यह धारणा भी विवादास्पद है कि मोदी सरकार ने आरएसएस की प्रमुख आकांक्षाओं को पूरा किया है। सट्टेबाजों, सर्वेक्षणकर्ताओं और सियासी पंडितों? के बीच बहस यह है कि क्या कहानी और रणनीति में बदलाव भाजपा के मूल मतदाताओं को मजबूत करेगा और/या इधर-उधर डोलने वाले मतदाताओं को भाजपा से अलग कर देगा। यकीनन इन लोगों के सवाल मतदान के इरादे के बारे में कम और बाजार की स्थिति के बारे में यादा हैं। निश्चित रूप से अभी तक किसी ने किसी बड़े उलटफेर की भविष्यवाणी नहीं की है। सबसे खराब स्थिति की परिकल्पना यह है कि लोकसभा चुनाव का नतीजा 2014 की सीटों के करीब होगा। हालांकि इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है कि तेज हमले समर्थकों और विरोधियों के बीच भाजपा के कमजोर पड़ने की धारणा तैयार कर रहे हैं। दलगत राजनीति और पार्टी के भविष्य से अलग जैसी बयानबाजियां हो रही हैं, वे चुनाव प्रचार की गुणवत्ता के बारे में चिंता पैदा करती हैं। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 96 करोड़ से यादा मतदाता अपनी पसंद की सरकार चुनने के पात्र हैं। इनमें से 1.8 करोड़ लोग पहली बार मतदान कर रहे हैं, जो अपने भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तलाश रहे हैं। कल ही चौथे चरण के तहत 96 लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हुआ है। इससे पहले 285 निर्वाचन क्षेत्रों में पहले ही मतदान हो चुके हैं। सैद्धांतिक रूप से चुनाव प्रचार प्रतिस्पर्धी बाध्यताओं और विरोधी संकटों की दुविधा के समाधान के बारे में होता है। इसके बजाय सभी पार्टियां प्रचार के दौरान दावे-प्रतिदावे और खुलासे-खंडन कर रही हैं। नारों के शोर ने मतदाताओं का उत्साह बढ़ाने में शायद ही मदद की हो। नोबेलजयी हर्बर्ट साइमन ने एक बार कहा था कि सूचनाओं की अधिकता फोकस की कमी पैदा करती है। साइमन द्वारा प्रतिपादित इस सिद्धांत (अधूरी जानकारी का प्रभाव और परिणामों पर प्रभाव) की उत्पत्ति सार्वजनिक नीति निर्माण से हुई थी और यह नियम चुनाव प्रचार पर भी लागू होता है। इस बार चुनाव प्रचार की गुणवत्ता और बहस की प्रकृति ने मतदाताओं को हैरान कर दिया है, जिसमें उन्हें उनकी ही पसंद बताई जा रही है।

फनी वीडियो इतने भी फनी नहीं; इंटरनेट से लोगों तक पहुंचाना कितना जायज

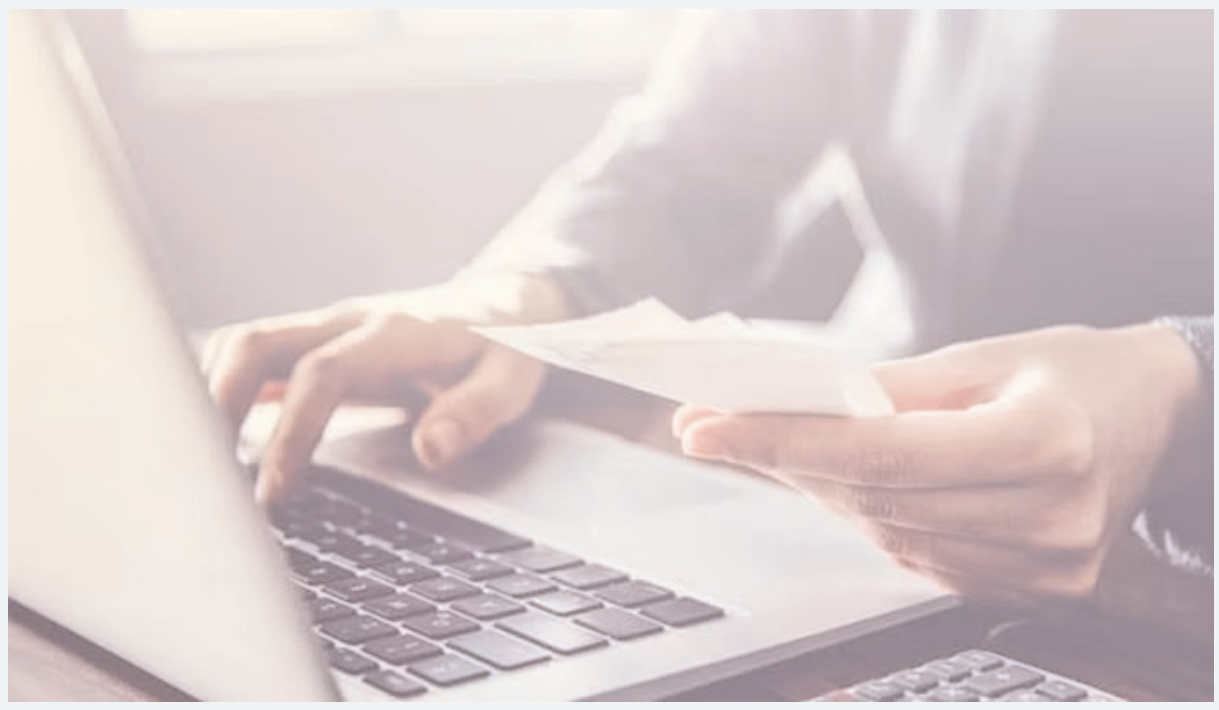

फेसबुक, इंस्टाग्राम या यूट्यूब संगीत के बाद सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो में दर्शकों की पसंद फनी (मजाकिया) वीडियो या प्रैंक वीडियो ही हैं। खाली वक्त में जब करने के लिए कुछ खास न हो और हाथ में मोबाइल हो, तो लोग अक्सर इन वीडियो की तलाश में रहते हैं। जब स्क्रॉल करते हुए कुछ रोचक दिख जाता है, वे उसे देखने लगते हैं।

इंसान सदियों से एक-दूसरे के साथ मजाक करता आ रहा है। प्रैंक या मजाक ज्यादातर सांस्कृतिक मानकों द्वारा निर्धारित होते हैं, जिनमें टीवी, रेडियो और इंटरनेट द्वारा स्थापित मानक भी शामिल हैं। लेकिन जब सांस्कृतिक और व्यावसायिक मानक मजाक करते वक्त आपस में टकराते हैं और अगर उन्हें जनमाध्यमों का साथ मिल जाए, तो उसके परिणाम भयानक साबित हो सकते हैं। दिसंबर, 2012 में जैसिंथा सल्दान्हा नामक भारतीय मूल की एक ब्रिटिश नर्स ने एक प्रैंक कॉल के बाद आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद पूरी दुनिया में बहस चल पड़ी कि इस तरह का मजाक किसी के साथ करना और फिर उसे रेडियो टीवी या इंटरनेट के माध्यम से लोगों तक पहुंचा देना कितना जायज है?

वर्ष 2012 में इंटरनेट इतने बहुआयामी माध्यमों के साथ हमसे नहीं जुड़ा था, लेकिन आज के हालात एकदम अलग हैं। आज हिट्स और क्लिक से पैसे कमाए जा सकते हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया है कि क्या दिखाया जा रहा है, बस व्यूज मिलने चाहिए। ऐसे में भारत एक खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है, जिसमें प्रैंक वीडियो बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

दुनिया में ऑनलाइन प्रैंक वीडियो की शुरुआत यूटयूब और फेसबुक जैसी साइट्स के आने से बहुत पहले हो गई थी। वर्ष 2002 में इंटरेक्टिव फ्लैश वीडियो स्केयर प्रैंक के नाम से पूरे इंटरनेट पर फैल गया था। थॉमस हॉब्स उन पहले दार्शनिकों में थे, जिन्होंने यह माना कि मजाक के बहुत सारे कार्यों में से एक यह भी है कि लोग अपने स्वार्थ के लिए मजाक का इस्तेमाल सामाजिक शक्ति पदानुक्रम को अस्त-व्यस्त करने के लिए करते हैं। मजाक की श्रेष्ठता के सिद्धांतों को मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के बीच संघर्ष और शक्ति संबंधों के संबंध में समझा जा सकता है। विद्वानों ने माना कि संस्कृतियों में मजाक का इस्तेमाल अक्सर %हिंसा को सही ठहराने और मजाक के लक्ष्य को अमानवीय बनाने के लिए% किया जाता है। इन चर्चाओं के बीच इंटरनेट पर मजाक का शिकार हुए लोगों की चिंताएं गायब हैं।

सबसे मुख्य बात सही और गलत के बीच का फर्क मिटना है। इंटरनेट जिस गति से देश में पैर पसार रहा है, उस गति से लोगों में डिजिटल साक्षरता नहीं आ रही है, इसीलिए निजता के अधिकार जैसी जरूरी बातें कभी विमर्श का मुद्दा नहीं बनतीं। किसी ने किसी से फोन पर बात की, अपना मजाक उड़वाया, यह मामला यहां तक तो व्यक्तिगत है। लेकिन वही वार्तालाप अगर इंटरनेट के माध्यम से सार्वजनिक हो जाए, तो जिस कंपनी के सौजन्य से यह सब हुआ, उसे हिट्स, लाइक और पैसे मिले, लेकिन जिस व्यक्ति के कारण यह सब हुआ, उसे क्या मिला? यह सवाल अक्सर पूछा नहीं जाता। ऐसे सैकड़ों ऐप हैं, जिन्हें डाउनलोड करके आप मजाकिया वीडियो देख सकते हैं और ये वीडियो आम लोगों ने ही अचानक बना दिए हैं। कोई व्यक्ति मेन होल में गिर जाता है और उसका मजाकिया वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो जाता है और फिर अनंतकाल तक के लिए सुरक्षित भी हो जाता है।

हमने उस वीडियो को देखकर खूब हंसते हैं, पर कभी उस परिस्थिति में खुद को रखकर नहीं सोचते। इंटरनेट ने निहायत निजी चीजों को सार्वजनिक कर दिया है। ये निजी चीजें जब चारों ओर बिखरी हों, तो हम उन असामान्य परिस्थिति में घटी घटनाओं को भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा मान लेते हैं, जिससे एक परपीड़क समाज का जन्म होता है। यही कारण है कि कोई दुर्घटना होने पर लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में लग जाते हैं। मजाकिया और प्रैंक वीडियो पर कहकहे लगाइए, लेकिन जब उन्हें इंटरनेट पर डालना हो, तो क्या डाला जाए और क्या नहीं, इस पर जरूर विचार करें। यह फैसला कोई सरकार नहीं करेगी, हमें ही करना है। इसी से तय होगा कि हमारा भविष्य का समाज कैसा होगा।

आंबेडकर ने राजनीति में भक्ति या नायक पूजा के प्रति क्यों चेताया था?

2024 का लोकसभा चुनाव आज़ादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण चुनाव है। यह प्रजातंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। पिछले 10 साल में हिन्दुत्ववादी दक्षिणपंथी सत्ता ने भारत की अस्मिता और उसकी सांस्कृतिक विरासत को लहूलुहान किया है। आरएसएस और उसके हजारों हिन्दुत्ववादी संगठनों ने अपने भाषणों और कृत्यों से भारत की आत्मा को कुचल डाला है। आज़ादी के समय देश की जो परिस्थितियां थीं, आज वही स्थितियां बना दी गई हैं। स्वाधीनता आंदोलन में हिंदू महासभा के द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत और मुस्लिम लीग की सांप्रदायिक राजनीति ने ऐसे हालात पैदा कर दिए थे कि आजादी के साथ भारत को विभाजन झेलना पड़ा। विभाजन के दरमियान हुई सांप्रदायिक हिंसा और अमानवीयता ने भारत की स्वतंत्रता पर ही सवाल खड़े कर दिए थे। चर्चिल जैसे यूरोपीय नेता नवनिर्मित भारतीय राष्ट्र के टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे। लेकिन गांधी के मार्गदर्शन, नेहरू के दूरदर्शी चिंतन और डॉ. आंबेडकर के सामाजिक न्याय ने देश की नींव को मज़बूत बनाकर खड़ा किया। तमाम आशंकाओं को दरकिनार करते हुए वैचारिक दरारों के बावजूद अगर भारत आज भी मज़बूती से खड़ा हुआ है तो उसकी बुनियाद भारत का संविधान है।

मोदी सरकार के 10 सालों में भारत के संविधान पर सबसे ज्यादा हमला किया गया। डॉ. आंबेडकर भारतीय राष्ट्र और संविधान की चुनौतियों से अवगत थे। बाबा साहब संविधान निर्माण से लेकर अपने जीवन के अंतिम समय तक लगातार लोकतंत्र और संविधान की चिंता करते रहे। उन्होंने संविधान सभा के अंतिम भाषण में उन चुनौतियों और आशंकाओं को सूत्रबद्ध किया। संविधान सभा में क़रीब 50 मिनट तक दिए गए इस भाषण की तमाम खूबियां हैं। दुर्योग से इस भाषण की चर्चा अगले 50 साल तक लगभग न के बराबर हुई।

25 नंबर 1949 को संविधान सभा में दिया गया डॉ. आंबेडकर का यह भाषण 20वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण, बौद्धिक और भावी चेतावनियों से भरपूर भाषण है। जिस तरह नेहरू द्वारा 15 अगस्त 1947 की अर्धरात्रि को दिया गया भाषण %नियति से साक्षात्कार% की चर्चा भारत की गरीबी, बदहाली की चुनौतियों से निपटने और भारत के निर्माण के विषय में है, उसी तरह डॉ. आंबेडकर का यह भाषण वैचारिक और सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों से भरा हुआ है। लेकिन जहाँ नेहरू के भाषण की चर्चा हमेशा की जाती रही, वहीं आंबेडकर के विचार और व्यक्तित्व की तरह उनके भाषण को भी भुला दिया गया।

अपने दोस्त अब्दु रोजिक की शादी में शामिल होंगे शिव, बोले- पहले लगा कि वे मजाक कर रहे हैं

बिग बॉस 16 अब्दु रोजिक एक बार फिर से सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में अब्दु रोजिक ने दुनिया के सामने इस बात का खुलासा किया है कि वे जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड अमीरा के साथ सगाई की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इस बात की जानकारी दी थी। वहीं अब्दु रोजिक के दोस्त शिव ठाकरे ने अब्दु की शादी को लेकर मीडिया से बातें की हैं। आइए आपको बताते है शिव ने क्या कहा है और क्या वे अब्दु रोजिक की शादी में शामिल होंगे।

अब्दु रोजिक की शादी की बात पहले लगा मजाक

शिव ठाकरे अपने दोस्त अब्दु रोजिक की शादी की खबर को सुनकर काफी खुश हैं। वे कहते हैं, पहले तो जब मुझे पता चला कि अब्दु शादी कर रहा है, तब मुझे यकीन भी नहीं हुआ। मुझे लगा ऐसे ही कोई मजाक है, लेकिन बाद में खुद अब्दु रोजिक ने मुझे कॉल करके सब बताया। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। वे अपनी जिंदगी में प्यार और खुशियां डिजर्व करते हैं।

दोस्त की शादी में होंगे शामिल

शिव ठाकरे से जब पूछा गया कि क्या वे अब्दु रोजिक की शादी में शामिल होंगे। इस सवाल के जवाब में शिव कहते हैं, ये भी कोई पूछने की बात है। मेरे यार की शादी है और मैं उसमें जरूर शामिल होऊंगा। इतना ही नहीं मैं

दिल खोलकर डांस भी करने वाला हूं। मैं उनकी शादी की खबर सुनकर पहले आश्चर्यचकित जरूर हुआ था, लेकिन अब जब मैं सब कुछ जान गया हूं तो अब्दु के लिए बहुत खुश हूं।

इस दिन होगी शादी

शिव ठाकरे ने बताया कि अब्दु रोजिक की शादी में शामिल होने के लिए वे यूएई जाएंगे। अब्दु अपनी शादी की योजना बना रहे हैं। वे यूएई में शादी करने वाले हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब्दु 7 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शिव ठाकरे और अब्दु की दोस्ती बिग बॉस 16 के दौरान हुई थी। पुरे सीजन दोनों टॉम एन्ड जेरी के नाम से प्रसिद्ध रहे। शो खत्म होने के बाद भी अब्दु जब भी भारत आते हैं शिव से जरूर मिलते हैं। शिव के अलावा फिल्म निर्माता साजिद खान भी अब्दु के मित्र हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि वे भी अब्दु की शादी में शामिल होंगे।

इस दिन पुष्पा 2 की शूटिंग शुरू करेंगे फहद फासिल, मेकर्स को दी लगातार दो सप्ताह की तारीख

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पाः द रुल का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज की तारीख पास आती जा रही है। इसके बावजूद शूटिंग का एक हिस्सा अभी भी पूरा नहीं हुआ है। मेकर्स जल्द ही इस हिस्से को खत्म करके पोस्ट प्रोडक्शन की तरफ बढ़ेंगे। फिल्म में अल्लू अर्जुन ने घातक पुष्प राज का किरदार निभाया है। वहीं, फहद फासिल इसमें खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।पुष्पाः द रुल में फहद फासिल के हिस्से की शूटिंग अभी बाकी है। इसके लिए अभिनेता ने मेकर्स को एक साथ कई तारीखें दी हैं। बताया जा रहा है कि फहद लगातार दो सप्ताह तक फिल्म की शूटिंग करेंगे और अपना हिस्से की शूटिंग पूरी करेंगे। फहद फासिल 1 जून से पुष्पा 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म में वह खलनायक की भूमिका में हैं। पुष्पा फ्रेंचाइजी के दूसरे भाग में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

रणबीर और साई पल्लवी की जोड़ी को देखने के लिए करना होगा लंबा इंतजार, रामायण की नई रिलीज डेट हुई जारी

रणबीर कपूर बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। रणबीर अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं, जिनमें शामिल हैं निर्देशक संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म लव एंड वॉर, अयान मुखर्जी की ब्रम्हास्त्र 2 और नितेश तिवारी की फिल्म रामायण पार्ट 1। इन सभी फिल्मों में सबसे यादा रणबीर के फैंस सबसे यादा रामायण को लेकर उत्साहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

फिल्म रामायण फिल्म रामायण को लेकर दर्शक इतने उत्साहित हैं कि वह इस फिल्म से जुड़ी हर खबर पर अपनी नजर रखते हैं। इस फिल्म में पहली बार साई पल्लवी और रणबीर कपूर की जोड़ी नजर आएगी। हाल ही में फिल्म के सेट से रणबीर और साई पल्लवी का लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। रणबीर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता के किरदार में बेहद सुंदर नजर आईं। हालांकि अभीतक फिल्म मेकर्स की ओर से फिल्म को लेकर किसी प्रकार की कोई घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, अरुण गोविल राजा दशरथ, सनी देओल राम भक्त हनुमान के किरदार में नजर आएंगे।

फिल्म का बजट मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक नितेश तिवारी की बहु चर्चित फिल्म रामायण भारत में बनी सबसे महंगी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। पहली बार, इस पौराणिक फिल्म रामायण- पार्ट वन का बजट 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर होगा। यानी की यह अब तक की सबसे महंगी फिल्म होगी। इसका बजट 835 करोड़ रुपये होगा।

फिल्म की रिलीज डेट मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रामायण पार्ट 1 की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। फिल्म मेकर्स ने अब इस फिल्म को अक्टूबर 2027 को रिलीज करने का अहम फैसला लिया है। यानी कि अब दर्शकों को रामायण के लिए तीन साल का इंतजार करना होगा।

रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा विक्की कौशल और आलिया भट्ट नजर आएंगी। इसके अलावा रणबीर ब्रह्मास्त्र 2 और रामायण में नजर आएंगे। एनिमल स्टार रणबीर कपूर के फैंस उनकी हर एक फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

जीनत अमान के समर्थन में आईं सोमी अली

बोलीं- लिव-इन-रिलेशनशिप से तलाक की दर कम हो सकती है

सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली अपने जमाने की लोकप्रिय अभिनेत्री थीं। अभिनय छोड़ने के बाद उन्होंने खुद को लोगों की सहायता के लिए समर्पित कर दिया है। सोमी हर मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने लिव-इन रिलेशनशिप पर जीनत अमान के विचारों का समर्थन किया है। इसके बाद वह आलोचनाओं का शिकार हो गईं। सोमी अली ने लिव-इन-रिलेशनशिप पर जीनत अमान की पोस्ट का बचाव करते हुए कहा, जब मैं विध्याचल में माउंट मैरी में रहती थी, तो जीनत जी मेरी पड़ोसी थीं। जैकी श्रॉफ और आयशा भी पास में ही रहती थे। हम लोग जब शूटिंग के लिए जाते थे, तब मिलते थे। हाल ही में कई लोगों ने उनकी निंदा की है। मैं लिव-इन रिलेशनशिप के बिल्कुल खिलाफ नहीं हूं। अभिनेत्री ने कहा, मैं इसमें उनका 100 प्रतिशत समर्थन करती हूं। क्योंकि जब आप किसी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में होते हैं, तो आपको एक दूसरे के बारे में पता चलता है। हर सभी की अपनी-अपनी विशिष्टताएं होती हैं। किसी व्यक्ति में ऐसी आदतें हो सकती हैं, जो आपको पसंद हों या नापसंद हों। ऐसे में आप लिव-इन रिलेशनशिप में व्यक्तिगत पसंद और नापसंद के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं। इससे तलाक की दर कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने तलाक की बढ़ती दरों पर बात करते हुए कहा, वर्तमान में, भारत, पाकिस्तान और दुनिया भर में तलाक काफी अधिक हो रहे हैं। जीनत जी काफी पढ़ी-लिखी और स्पष्टवादी हैं। उनकी बात से जो लोग इंकार कर रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि अब हम 1950 के दशक में नहीं रहते। 2024 में, दुनिया बहुत बदल गई है। तो एक पुरुष और एक महिला लिव-इन रिलेशनशिप में रह सकते हैं। सोमी ने कहा, हमने ऐसे कई मामले देखे हैं जहां लोग एक-दूसरे को जाने बिना शादी कर लेते हैं और फिर तलाक ले लेते हैं। यह भारत और पाकिस्तान दोनों में अरेंज मैरिज में काफी आम है। दहेज भारत और पाकिस्तान दोनों देशों में गैरकानूनी है, फिर भी लोग दहेज मांगने से नहीं कतराते। सब कुछ पर्दे के पीछे चलता है।उन्होंने कहा कि जीनत ने जो सुझाव दिया है वह तलाक की दर को कम करने में मदद कर सकता है।

किंग का बीटीएस वीडियो हुआ लीक, फिल्म में शाहरुख-सुहाना का लुक हुआ वायरल, फैंस हुए उत्साहित

बॉलीवुड बादशाह शाहरुख खान कई सालों से बॉलीवुड फिल्मों के जरिए फैंस के दिलों पर राज कर रहे हैं। उनकी हर एक फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। आज शाहरुख खान बॉलीवुड का वो नाम है, जिनके नाम से ही फिल्म सुपरहिट हो जाती है। 2023 शाहरुख की जिंदगी में वो सक्सेस लाया, जिसे अब कोई मिटा नहीं सकता। फिल्म पठान, जवान और डंकी की आपार सफलता के बाद शाहरुख बॉलीवुड के वाकई में किंग बन गए हैं। हालांकि उनके फैंस उन्हें प्यार से बॉलीवुड किंग बुलाते हैं। अब एक बार फिर से शाहरुख का जादू चलने वाला है। शाहरुख की आगामी फिल्म किंग का बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

फिल्म किंग *शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग का हर एक उनका फैन बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस फिल्म को सुजॉय घोष निर्देशित करेंगे। इस फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान और सिद्धार्थ आनंद मिलकर करेंगे।*

बीटीएस वीडियो हुआ लीक *फिल्म किंग का एक बीटीएस वीडियो साशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में शाहरुख खान का किंग लुक वायरल हुआ है, जिसमें वह रफ-टफ लुक में नजर आ रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में शाहरुख एक डॉन की भूमिका में नजर आएंगे। शाहरुख के इस नेगेटिव किरदार की झलक पाकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। इस बीसीएस में शाहरुख खान बड़े बालों में नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया में शाहरुख के इस लुक को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। उनका यह लुक तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलम मेकर्स के मुताबिक शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान की फिल्म किंग इस साल सितंबर के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहरुख और सुहाना के फैंस उनको इस फिल्म में एक साथ देखने के लिए बेकरार हैं। यह पहली बार है जब शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ फिल्म में नजर आएंगे।*

संजय कपूर ने दिया भाई को लेकर बड़ा बयान, बोले- अनिल शायद यादा सफल हों लेकिन मैं अधिक खुश हूं

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर पिछले दिनों फिल्म मर्डर मुबारक में नजर आए थे। दर्शकों को फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद आया था। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी और करिश्मा कपूर जैसे स्टार्स के साथ स्क्रीन साझा करते दिखाई दिए थे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान संजय कपूर अपने भाइयों के बारे में बातें करते दिखाई दिए।

भाइयों में नहीं हैं कोई प्रतिस्पर्धा

संजय कपूर, अनिल कपूर और बोनी कपूर के छोटे भाई हैं। जब उनसे पूछा गया क्या वे अनिल कपूर से कोई प्रतिस्पर्धा महसूस करते हैं। इस सवाल के जवाब में संजय कहते हैं, नहीं मैं नहीं सोचता हूं कि अनिल और मुझ में कोई भी ऐसी बात है। हम फिल्मी बैकग्राउंड वाली फैमली से आते हैं तो यह सवाल वाजिब है, लेकिन सच में हम भाइयों के बीच में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हैं। हम एक-दूसरे की सफलता से खुश होते हैं।

भाइयों के परिवार से है अपनापन

मर्डर मुबारक स्टार अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, शुरुआत में हम सब साथ रहते थे। हमारा दो बेडरूम-हॉल वाला घर था। हम सब प्यार से एक साथ रहते थे। धीरे-धीरे भाइयों की शादी हुई, परिवार बढ़ा तो हम अब अपने-अपने घर में रहते हैं, लेकिन अब भी हमारे बीच में वही प्यार है। ये और बात है कि अब हम उतना नहीं मिल पते हैं, लेकिन उससे हमारे रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ता है।

अनिल से यादा खुश मैं हूं

संजय कपूर अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहते हैं, मैं मानता हूं कि मुझे अनिल कपूर की तुलना में उतनी सफलता नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी, लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा। मैं अनिल से अधिक खुश और संतुष्ट हूं। मैं यह नहीं कह रहा कि वे कम खुश या उदास हैं, लेकिन मैं अपनी जिंदगी से काफी संतुष्ट हूं।

रिलीज से पहले ही कमल हासन की ठग लाइफ ने बनाया एक नया रिकॉर्ड, जानकर हो जाएंगे हैरान

साउथ सुपर स्टार कमल हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वे एक बार फिर से दिग्गज निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम कर रहे हैं। कमल हासन के फैंस अभी से ही उनकी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। दर्शक बेसब्री से ठग लाइफ की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपने नाम एक रिकॉर्ड बना लिया है।

सबसे महंगी ओवरसीज राइट निर्देशक मणिरत्नम 36 साल बाद एक बार फिर से कमल हासन के साथ काम कर रहे हैं। इन दिनों ठग लाइफ की शूटिंग दिल्ली में चल रही है। हर दिन कमल हासन की इस फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर आती ही रहती है। वहीं आज जो खबर आई है वह कमल हासन के फैंस को काफी उत्साहित करने वाली है। रिपोर्ट्स की माने तो ठग लाइफ की ओवरसीज राइट्स 63 करोड़ रूपये में बिकी है।

कमल हासन दिखेंगे अलग अवतार में ठग लाइफ कॉलीवुड की पहली ऐसी फिल्म है जिसके ओवरसीज राइट्स 63 करोड़ रूपये में बिके हैं। इस खबर के बाद से कमल हासन के चाहने वालों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ठग लाइफ में कमल हासन तीन अलग-अलग किरदारों को निभाते नजर आएंगे। हालांकि अभी तक इस खबर की कोई पुष्टि नहीं की गई है। कमल हासन की यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने जा रही है।

कमल हासन के संग आएंगे ये सितारे नजर ठग लाइफ मणिरत्नम की महत्वाकांक्षी फिल्म है। वे इस फिल्म के निर्माण में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस फिल्म में कमल हासन के अलावा तृषा कृष्णन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, गौतम कार्तिक, नासिर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे सितारे अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इस फिल्म में संगीत एआर रहमान का होगा। दर्शक बेसब्री इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की पहली फिल्म हो गई थी फ्लॉप, फिर भी करती हैं करोड़ों में कमाई

मानुषी छिल्लर एक भारतीय अभिनेत्री, मॉडल और मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता की विजेता रह चुकी हैं। मॉडलिंग में नाम और शोहरत कमा चुकीं मानुषी फिल्मों में अपना नाम अभीतक स्थापित नहीं कर पाई हैं। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी जगह बना रही हैं।

मानुषी का फिल्मी करियर 2022 में मानुषी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत यशराज बैनर की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से की थी। उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप हुई थी। इस फिल्म में मानुषी ने बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार के साथ काम किया था। इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद मानुषी ने हार नहीं मानी। इसके बाद 2023 में मानुषी ने द ग्रेट इंडियन फैमिली में काम किया। यह फिल्म भी बुरी तरह से फ्लॉप हुई थी। इसके बाद 1 मार्च 2024 को मानुषी की एक्शन थ्रिलर फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन आई। यह फिल्म भी मानुषी के करियर में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। गौर से देखा जाए तो अबतक मानुषी का फिल्मी करियर कुछ खास नहीं रहा है। लेकिन उनके फैंस चाहते हैं कि वह फिल्में करती रहें।

मानुषी की नेटवर्थ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मानुषी छिल्लर की नेटवर्थ तकरीबन 3 मिलियन डॉलर के आसपास है। हर महीने मानुषी करीब 24 लाख रुपये की कमाई करती हैं। वहीं मानुषी 1 साल में 28 करोड़ रुपए कमाती है। अभिनेत्री ना सिर्फ फिल्मों से बल्कि विज्ञापन से भी मोटी कमाई कर लेती हैं। मानुषी एक फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपए फीस चार्ज करती हैं।

कार की शौकीन हैं मानुषी लग्जरी गाड़ियों की शौकीन मानुषी छिल्लर के कार कलेक्शन में वोल्वो एक्ससी90 शामिल है, जिसकी कीमत 90 करोड़ रूपये के आसपास है। इसके अलावा उनके पास मर्सडीज बेंज भी है, जिसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपए के आसपास है। मानुषी के पास 83 लाख की लैंड रोवर और 4.48 करोड़ की रेंज रोवर भी है। मानुषी छिल्लर की कमाई यादातर मॉडलिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है। उन्होंने साल 2017 में भारत को रिप्रेजेंट करते हुए मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। मानुषी छिल्लर छठी ऐसी भारतीय है, जिन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करते हुए देश का मान बढ़ाया है। भले ही मानुषी की कोई भी फिल्म अभी तक बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई हो, लेकिन अपने हुस्न, लुक्स और

फिल्मों में अपने रोल्स के जरिए वह जमकर सुर्खियां बटोरी रही हैं।

बेटे-बहू ने 100 वर्षीय महिला के साथ किया मारपीट

वृद्ध मां को जिला अस्पताल में भर्ती

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत महूदा में 100 वर्षीय वृद्ध मां के साथ बेटे-बहू के द्धारा मारपीट किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। मारपीट में घायल वृद्ध मां को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है। जिला अस्पताल में वृद्ध मां बुटू बाई रजक की देखरेख कर रही बेटी उर्मिला रजक ने मीडिया को बताया कि उसका भाई किशोरी लाल रजक व भाभी ममता रजक गतदिवस वृद्ध मां के पास पहुंचे और उसके साथ मारपीट करते हुए पेटी का ताला तोड़कर उससे सोने-चांदी के जेवर व नगदी लेकर चंपत हो गए। पड़ोसियों से जानकारी लगने के बाद वह मां के पास पहुंची और उसे जिला अस्पताल लेकर आई। जहां भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है। मामले की शिकायत पुलिस से भी की गई है लेकिन पुलिस ने अब तक इस मामले में कोई अपराध कायम नहीं किया है।

शाम 7 बजे तक नगर में हुआ 76 प्रतिशत मतदान, देवास-शाजापुर लोकसभा क्षेत्र में 73.20 मतदाताओं ने किया मतदान

लोकतंत्र के महायज्ञ में मतदाताओं ने डाली मतदान रूपी आहूति

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लोकसभा निर्वाचन -2024 के चौथे चरण के मतदान में मतदाताओं ने सूरज की पहली किरण के साथ ही मतदान केंद्रों की ओर कदम बढा दिए। किसी ने भी गर्मी और मौसम की चिंता छोड़ अच्छी सरकार के लिए लोकतंत्र के महायज्ञ में मतदान की आहूति डाली। यही वजह थी कि समाचार लिखे जाने तक नगर में जहां 76.70 प्रतिशत तो पूरे लोकसभा क्षेत्र में 73.20 प्रतिशत मतदान हो चुका था। वहीं मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ लगी हुई थी।

जिस तरह अलसुबह मतदान दलों को रवाना किया गया था उसी तरह मतदान करने के लिए भी मतदाताओं ने सुबह-सुबह ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। जिसक चलते सुबह 11 बजे तक ही 35.83 तथा दोपहर 1 बजे तक करीब 53 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। दोपहर बाद आंधी, बारिश व ओलावृष्टि के चलते मतदान केंद्रों पर कुछ देर के लिए बाधा जरूर हुई, लेकिन प्रशासनिक अमले ने तत्परता दिखाते हुए व्यवस्थाओं को फिर बहाल कर

दिया और शाम तक मतदान बिना बाधा के शांतिपूर्वक चलता रहा। कहीं से भी किसी प्रकार की घटना के कोई समाचार नही मिले हैं।

बहिष्कार करने वाले क्षेत्रों में भी कराया मतदान: जिले के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं की नाराजगी सामने आ रही थी। जहां के लोग किसी न किसी बात को लेकर मतदान का बहिष्कार कर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। जहां पहुंचकर अधिकारी मतदाताओं को मनाने में सफल हुए। हालांकि सभी लोग तो राजी नहीं हुए लेकिन फिर भी काफी हद तक प्रशासन के प्रयास सफल रहे और मतदान कराया जा सका।

अचानक बदला मौसम, तेज हवा के साथ हुई ओलावृष्टि: दोपहर में भी नगर में शांतिपूर्ण तरीके से मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मतदान करने पहुंचे थे। तभी अचानक मौसम बदला और तेज आंधी चलने लगी। जिसके चलते वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। तो कई जगह टेंट उखड़ गए थे। इसके बाद अधिकारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और व्यवस्थाओं को दुरूस्त कर दिया था ओर मतदाता शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कर सके।

पिछली बार की अपेक्षा इस बार ज्यादा हुआ मतदान: लोकसभा-2019 की अपेक्षा इस बार मतदाताओं ने खासा उतसाह दिखाया। यही वजह थी कि जहां पिछले लोकसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र देवास-शाजापुर में 71 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं इस बार समाचार लिखे जाने तक 73.20 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जबकि नगर में 76.70 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे।

कक्षा बारहवीं से कुमारी हाजरा ने सर्वोत्तम(96%) अंक, दूसरे स्थान पर फैजीन मलिक ने (95%) अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया

देवबंद के स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल के 10वीं और 12वीं के छात्रों ने किये नये कीर्तिमान स्थापित, हर वर्ष की तरह शत-प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद, सीबीएसई का दसवीं एवं बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आज घोषित किया गया। जिसमें हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत(100%) रहा।स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल से कक्षा बारहवीं से कुमारी हाजरा ने सर्वोत्तम(96%) अंक, दूसरे स्थान पर फैजीन मलिक ने (95%) अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कक्षा दसवीं से मोहम्मद माज ने सर्वोत्तम (96.4%) अंक, दूसरे स्थान पर अब्दुल रहमान ने (95.4%) अंक ,नमरा उस्मानी ने (93%) अंक, मोहम्मद सोहेल ने (92%) अंक व हफ्सा आज़म ने (92%) अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा बारहवीं से 08 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक, 16 विद्यार्थियों ने ,80% से अधिक अंक लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा दसवीं से 10 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक, 15 विद्यार्थियों ने 80% से अधिक अंक लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह छात्रों के, टीचर्स के एवं अभिभावकों के अथाह परिश्रम का परिणाम है। उनके सराहनीय प्रयास के लिए स्कूल के प्रबंधक साद फ़ैज़ान सिद्दीकी, उप प्रबंधक अहमद फ़ैज़ान सिद्दीकी, मेंटरिंग एंड मॉनिटरिंग हेड मलिक मुअज्जम, प्रिंसिपल एवं हेडमिस्ट्रेस ने छात्रों एवं अभिभावकों को स्कूल का नाम रोशन करने पर बधाई दी और कहा कि एक अध्यापक के नेतृत्व में छात्र असंभव को भी संभव बना सकता है। मेहनत हमेशा रंग लाती है इस अवसर पर प्रबंधक साद फ़ैज़ान सिद्दीकी ने छात्रों को मिठाई खिलाकर कर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सड़क के बीच खड़े पेड़ व विद्युत पोल बन रहे हैं हादसों का कारण

विद्युत पोल को तोड़ते हुए पेड़ से टकराई पिकअप, टला बड़ा हादसा, चालक घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, लाखनोर सीडकी मार्ग पर बीती रात एक मैक्स पिकअप सड़क के बीच खड़े विद्युत पोल से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर सड़क के बीच खड़े एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में वाहन चालक शेखपुरा निवासी अनवर पुत्र अब्दुल लतीफ घायल हो गया। विद्युत पोल टूटते ही पोल पर बंधी विद्युत लाइन टूटकर सड़क के बीच जा गिरी, जिससे दोनों और वाहनों की लाइनें लग गई। पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल भिजवाते हुए विद्युत कर्मियों को मौके पर बुलाकर सड़क पर पड़ी विद्युत तारों को साइड करा रास्ता सुचारू कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे एक मुर्गों से लदी मैक्स पिकअप लाखनोर से सीडकी की ओर जा रही थी, सैदपुरा के निकट वाहन चालक सड़क के बीच खड़े एक विद्युत पोल को न देख सका जिससे वाहन विद्युत पोल को तोड़ते हुए एक पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। विद्युत पोल टूटते ही पोल पर बंधी विद्युत तारें टूटकर सड़क के बीच जा गिरी। जिससे सड़क के दोनों और वाहनों की लाईनें लग गई। गनीमत रही कि कोई वाहन विद्युत लाइनों की चपेट में नहीं आया। जिस कारण एक बड़ा हादसा भी टल गया। करीब दो सप्ताह पूर्व भी इस मार्ग का चौड़ीकरण हुआ था। सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल व पेड़ सडक के बीच आ गए थे, सड़क

बनाने से पूर्व विभाग ने इन्हें हटाना भी उचित नहीं समझा तथा पेड़ व विद्युत पोल को बीच में लेकर सड़क बना डाली। जिस कारण इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। 27 अप्रैल को पोल से टकराकर कार सवार झबरेड़ा निवासी 22 वर्षीया आरजू, 30 अप्रैल को सड़क के बीच खड़े विद्युत पोल से टकराकर लाखनोर निवासी करीब 14 वर्षीय किशोर तनिश व 6 मई को पेड़ से टकराने के बाद अनियंत्रित हुई बाइक की चपेट में आकर मंदबुद्धि महिला कोटा निवासी करीब 40 वर्षीया गीता जान गंवा चुके हैं। इसके अलावा करीब दर्जन भर हादसों में राहगीर चोटिल हो चुके हैं, बावजूद इसके विभाग सड़क के बीच खड़े विद्युत पोल व पेड़ हटाने को तैयार नहीं। शायद विभाग को किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

देवबंद : एक पखवाड़ा चलने के बाद श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी के मेले का हुआ समापन

सुरक्षा व्यवस्था के लिए देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, करीब एक पखवाड़ा चलने के बाद श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी का मेला आज संपन्न हो गया। इस ऐतिहासिक और धार्मिक मेले में डेढ़ दर्जन से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन भी किया गया। मेला कैंप में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत मेले के समापन की घोषणा की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेला पश्चिमी उप्र का ऐतिहासिक मेला है। जिसमे सर्वधर्म के लोग एक साथ आयोजनो और कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। इस दौरान कार्यक्रम के दौरान मेले में आकर्षक दुकानें लगाने वाले और झूला संचालको सहित मेले के सफल आयोजन के लिए मेला चेयरमैन सहित मेला कमेटी और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार को भी पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को अध्यक्षता अजय गांधी और संचालन मो. अकबर और राजू गुप्ता ने संयुक्त रुप से किया। इस दौरान मेला चेयरमैन अंकित राणा, देवी दयाल शर्मा एडवोकेट, रिजवान गौड, शराफत मलिक, सय्यद हारिस, चौधरी ओमपाल, संजीव कल्हन, वसीम मलिक, शहजाद गौड, जावेद खान, सुंदरलाल सैनी विकास चौधर समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंदसौर में बढ़ रहे आवारा श्वान के हमले के मामले, 6 और लोग अस्पताल में भर्ती

मंदसौर। शहर में श्वानों का आतंक लगातार कायम है। सोमवार को मदारपुरा, शनि विहार एवं खानपुरा क्षेत्र में श्वानों के हमले से छह लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। श्वान के हमले से घायल लोग जिला अस्पताल पहुंचे, जिनका उपचार चल रहा है।श्वानों के हमले से घायल व उनके स्वजनों ने बताया कि हमने कई बार नपा से शिकायत की, सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं हैं। घरों के बाहर बच्चे खेलते हैं। ऐसे में श्वानों से बच्चों को बहुत खतरा है। नपा को जल्द ही हमारे क्षेत्र से श्वानों को पकड़ना चाहिए। श्वानों के हमले की घटनाएं शहर में आए दिन हो रही हैं। जिला अस्पताल में भी श्वानों के काटने से घायल लोग उपचार के लिये पहुंचते हैं। नपा से लोग शिकायत भी कर रहे हैं, लेकिन नपा शहर को श्वानों के हमले से बचाने में गंभीरता नहीं बरत रही है। इसी का परिणाम है कि श्वानों ने छह लोगों को काट लिया। शनि विहार एवं मदारपुरा में घर के बाहर काम कर रहे लोगों को श्वान ने काट लिया वहीं दो पुलिसकर्मियों को भी काटा। खानपुरा में भी एक व्यक्ति को काट लिया। श्वानों के काटने से घायल दो पुरुष व एक महिला जिला अस्पताल में उपचार के लिये पहुंची। यहां पर भर्ती कर उनका उपचार किया गया। घायलों ने बताया कि श्वानों को पकड़ने के लिये हमने कई बार कहा, लेकिन कोई नहीं सुन रहा है। श्वान के हमले से घायल हुए शनि विहार निवासी बाबूसिंह ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बताया कि मैं अपने घर के बाहर बैठा था। इस समय मैंने घर के सामने से श्वान को भगाया था। करीब आधे घंटे बाद मैं घर के सामने कचरा डालने गया तभी वहीं श्वान आया और हमला कर लिया। मैं बचने की कोशिश करते हुए जमीन पर गिर गया, फिर होश नहीं रहा। श्वान ने मेरे हाथ व दोनों पैरों पर काट लिया। नपा में भी शिकायत की है, लेकिन कोई नहीं सुन रहा है। श्वान ने शनि विहार, मदारपुरा व अन्य क्षेत्र में दो पुलिसकर्मी सहित छह लोगों को काटा है। मदारपुरा निवासी शहनाज बी को भी श्वान ने काट लिया। अस्पताल में उपचार के लिये पहुंची शहनाज बी ने बताया कि मैं घर के बाहर बैठी थी तभी श्वान ने मुझे पैर में काट लिया। इस दौरान श्वान ने मदारपुरा एवं शनि विहार में चार लोगों को काट लिया। श्वान हिंसक हो गया है । नगरपालिका उस श्वान को पकड़े। घरों के बाहर बच्चे खेलते रहते हैं। श्वान के कारण डर बना हुआ है। रावण प्रतिमा के पार शिवना नदी से कपड़े धोकर लौट रहे किशोर खेतरा को भी श्वान ने काट लिया। उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे उनके पुत्र करण खेतरा ने बताया कि पिताजी नदी पर कपड़े धोकर आ रहे हैं तभी श्वान ने काट लिया। हाथ व पैर पर काटा है। हम वार्ड 31 खानपुरा क्षेत्र में रहते हैं। हमारे वार्ड में श्वान ने तीन अन्य लोगों को भी काटा है। नपा को भी शिकायत की, 181 पर भी शिकायत की, लेकिन अब तक श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई नहीं हुई है। अब नपा के अधिकारी कह रहे है कि श्वानों को पकड़ने के लिये टीम आएगी।

प्रभु ने यह शरीर उपासना के लिए ही दिया है-कथाव्यास

दबोह में चल रहे 21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

दबोह-प्रभु ने यह शरीर उपासना के लिए ही दिया है।यह बात कथावाचक परम् पूज्य पंडित श्री राधाबल्लभाचार्य जी महाराज(श्री धाम वृंदावन)जी ने नगर में चल रहे 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ के दौरान चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण के दौरान कहीं।उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने पांचवा अवतार कपिल मुनि के रूप में लिया।इनके पिता का नाम महर्षि कर्दम व माता का नाम देवहूति था।शरशय्या पर पड़े हुए भीष्म पितामह के शरीर त्याग के समय वेदज्ञ व्यास आदि ऋषियों के साथ भगवान श्री कपिल मुनि जी भी वहां उपस्थित थे।भगवान कपिल मुनि जी सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं।श्री गुरू भगवान कपिल महामुनि जी भागवत धर्म के प्रमुख बारह आचार्यों में से एक हैं।बताया कि भगवान शिव की अनुमति लिए बिना उमा अपने पिता दक्ष द्वारा आयोजित यज्ञ में भाग लेने पहुंच गईं।यज्ञ में भगवान शिव का आमंत्रण

और उनका भाग न दिए जाने पर कुपित होकर सती ने यज्ञ कुंड में आहुति देकर शरीर त्याग दिया।उन्होंने कहा कि मानव जीवन को धन्य करने के लिए भगवान का ध्यान सबको करना चाहिए।आप निष्काम हों,या बहुत सी कामनाएं आपके मन में भरी हों।मनुष्य मात्र को श्रीहरि की उपासना करनी ही चाहिए,क्योंकि यह शरीर उपासना के लिए ही प्रभु ने दिया है।प्रभु की भक्ति के लिए उम्र की भी कोई बाध्यता नहीं हो सकती है।कथावाचक परम् पूज्य महाराज जी ने बताया कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले यह ध्यान जरूर रखना चाहिए कि वहां आपका,अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान न हो।यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाना नहीं चाहिए।माता सती ने भी भगवान शिव की बात नहीं मानी थी, अपमानित होने के कारण उन्हें स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा।ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया,जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया।परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है।भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है।भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए,क्योंकि बचपन कच्ची मिट्टी की तरह होता है, उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है।इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा में सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे।आपको बता दें कि इस 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ,असंख्य सुंदरकांड पाठ व रात्रि में रामलीला का भी मंचन किया जा रहा है।वहीं इस महायज्ञ में विशाल मेला भी लगाया गया है।श्रीमद्भागवत महापुराण कथा शासकीय इंटर कॉलेज के ग्राउंड पर चल रही है तो वहीं 21 कुंडीय यज्ञ का आयोजन श्री सिध्देश्वर सरकार हनुमान मन्दिर परिसर में किया जा रहा है।

संस्था बी.आर.फाउंडेशन द्वारा लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाताओं को बांटे परिंडे

मल्हारगढ़ लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए मध्य प्रदेश की सामाजिक संस्था बी.आर. फाउंडेशन द्वारा जिले में शत प्रतिशत मतदान हो इसको लेकर मतदान करने आए मतदाताओं को उंगली पर स्हायी का निशान देखकर निःशुल्क बेजुबान पशु पक्षियों के लिए पानी पिने के लिए सकोरे बांटे गए। आज संस्था द्वारा मल्हारगढ़ कस्बे के गांव सुदवास,सौम्या, कालिया खेड़ी गुजरान में 500सौ सकारे वितरित किए गये।। एवं प्रतिदिन पानी डालने का संकल्प दिया। संस्था प्रतिदिन आम लोगों में सकोरे वितरित कर रही। वही सार्वजनिक एव प्रशासनिक जगह पर सकोरे लगा रहीं हैं ।

इस पुनीत कार्य की आम लोगों ने प्रशंसा की उक्त कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक कृष्ण परिहार, मंदसौर जिला अध्यक्ष कमलेश भमरोटा, प्रदेश महासचिव लखन मालवीय, जिला सचिव बालमुकुंद, सदस्य सुनील सौंलकी, देवेंद्र सिंह चंद्रावत आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी सूरज धनगर द्वारा दी गई।

विचारों की स्वच्छता से ही होगा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माणः ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी

इंदौर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मीडिया प्रभाग एवं कालानी नगर इंदौर सेवा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज विषय पर मीडिया परिसंवाद का आयोजन प्रभु अर्पण भवन के सभागृह में किया गया। राजेश जैन दद्दू ने बताया जिसमें दैनिक समाचार पत्र, टी.वी. चैनल, अन्य प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादक, प्रतिनिधि, संवाददाता, न्यूज़ एंकर आदि मीडिया कर्मी बंधु, भगिनी शामिल हुए। इस परिसंवाद के मुख्य प्रवक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अशोक मेहता, स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, वरिष्ठ पत्रकार नीलमेघ चतुर्वेदी, मशहूर न्यूज़पेपर कार्टूनिस्ट डॉ. देवेंद्र शर्मा, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया विंग की कोर कमेटी की सदस्य ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी, कालानी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ

किया।

इस दौरान ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने कहा कि आज हम इंदौर वासी बाह्य स्वच्छता में तो न.1 है लेकिन अब जरूरत है आंतरिक स्वच्छता पर ध्यान देने की, आज हम शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भी बहुत जागरूक है परन्तु मन से सभी कमजोर होते जा रहे है। ऐसे में हर पत्रकार बंधू स्वयं का आध्यात्मिक सशक्तिकरण करें, तभी वे जो लिखेंगे उसका प्रभाव समाज पर पड़ेगा और तभी वास्तव में हम एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। अशोक मेहता जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण होने से ही संस्कृति, नैतिकता, मानवता की भावनाएं हमारे कर्मों में आ जाती है। ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी ने कहा कि जब तक विचारों में स्वच्छता नहीं आएगी तब तक स्वच्छ समाज का निर्माण संभव नहीं है और विचार स्वच्छ तब बनेंगे जब मीडिया में सकारात्मक खबरों का प्रचार प्रसार बढ़ेगा।

प्रवीण खारीवाल जी ने मीडिया को मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य पत्रकार बंधुओं ने भी इस विषय पर संक्षिप्त में अपने अपने विचार रखे। ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने योग कमेंट्री के माध्यम से सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई।

लोकतंत्र के महापर्व में जिलेवासियों ने लिया बढ़ चढ़कर भाग लिया - कलेक्टर डॉ बेडेकर

अलीराजपुर । लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले की अलीराजपुर विधानसभा क्रमांक 191 एवं जोबट विधानसभा क्रमांक 192 में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। जिले में शाम 5 बजे तक 64.85 प्रतिशत मतदान हुआ जिसमें अलीराजपुर विधानसभा क्षेत्र 191 में 91 हजार 3 सौ 10 पुरुष मतदाता एवं 86 हजार 8 सौ 86 महिला मतदाताओं कुल 1 लाख 78 हजार 1 सौ 96 अर्थात 66.62 प्रतिशत तथा जोबट विधानसभा क्षेत्र 192 में 1 लाख 76 पुरुष मतदाता एवं 91 हजार 7 सौ 33 महिला मतदाताओं कुल 1 लाख 91 हजार 8 सौ 09 अर्थात 63.29 प्रतिशत रहा । इस प्रकार जिले में 67.60 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने एवं 62.14 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया , जिले का कुल मतदान 3 लाख 70 हजार 05 रहा ।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जिले के 50 से अधिक मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अलीराजपुर, चांदपुर, अकोला, जोबट, खट्टाली, रजावट आदि स्थानों के मतदान केंद्रों पर हो रहे शांतिपूर्ण मतदान का निरीक्षण किया। लोकतंत्र के इस महापर्व में जिले के मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मतदान केन्द्रो पर प्रातः से ही लंबी कतारे देखने को मिली जो भीषण गर्मी में भी कम नही हुई । इस दौरान महिलाओं ,वृद्धजनों , फर्स्ट टाइम युवा वोटर , दिव्यांग आदि ने अपने मताधिकार का उपयोग किया । कलेक्टर डॉ बेडेकर के निर्देशानुसार पंचायत सचिव ,सहायक सचिव, कोटवार ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ,मोबिलाइजर फलिये वार जाकर मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील आखरी घंटे तक की ।कलेक्टर सभा कक्ष में बनाए गए कम्यूनिकेशन सेंटर एवं कन्ट्रोल रूम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक चौधरी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियांशी भंवर ने वेबकास्टिंग , सीसीटीवी के माध्यम से समस्त मतदान केन्द्रों की सतत मॉनिटरिंग की ।जिले के द्वय सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री तपीस पांडे एवं श्री विरेन्द्र सिंह बघेल द्वारा दोनो विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदाता सुविधाओं का जायजा लिया एवं मतदान के समय कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिशा निर्देश राजस्व एवं पुलिस बल के संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर डॉ बेडेकर ने बताया कि 3 हजार 5 सौ से अधिक मतदान कर्मियों ने जिले के 610 मतदान केन्द्रो पर मतदान की प्रक्रिया का सफल क्रियान्वयन में महती भूमिका निभाई । कलेक्टर डॉ बेडेकर ने पुलिस हमले की प्रशंसा भी की उन्होने बताया कि पुलिस दल द्वारा सतत निगरानी कर कानून व्यवस्था बनाए रखने का अपना योगदान दिया ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोचर ने पुलिस अधीक्षक

सोमवंशी के साथ मतगणना स्थल का लिया जायजा

बुनियादी सुविधाओं के संबंध में दिये आवश्यक दिशा निर्देश

दमोह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार लोकसभा निर्वाचन 07-दमोह संसदीय क्षेत्र की मतगणना 04 जून होगी। इसी के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के साथ आज स्थानीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के कक्षों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोचर एवं पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने मतगणना स्थल के ब्लू प्रिंट का

अवलोकन किया और वस्तु स्थिति जानी। उन्होंने प्रत्येक कक्ष में पहुंचकर मतगणना स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने मतगणना स्थल पर आवागमन से लेकर पेयजल सहित बुनियादी सुविधाओं के बारे में नगरीय निकाय के सहायक परियोजना अधिकारी कपिल खरे को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पंडाल व्यवस्था आदि के संबंध में चर्चा की गई। वाहन पार्किंग व्यवस्था के साथ आमजन के आने जाने तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, सीएसपी अभिषेक तिवारी, सहायक संचालक महिला बाल विकास संजीव मिश्रा, ई-गवर्नेंस प्रबंधक महेश अग्रवाल, लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर तिवारी, थाना प्रभारी कोतवाली ठाकुर सहित अन्य विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे।

नीमच जिले में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

नीमच जिले में 75% से अधिक हुआ मतदान

नीमच नीमच जिले में लोकसभा निर्वाचन के तहत स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ मतदानसफलता पूर्वक संपन्न करवाकरमतदान कर्मी निर्धारित वाहनों से वापस सामग्री जमा करने के लिए शासकीय पीजी कॉलेज नीमच में आना प्रारंभ हो गए हैं नीमच जिले में शाम 6:00 बजे तक औसत 75 % से अधिक मतदान के समाचार मिले हैं इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र मनासा में कुल75.37% नीमच मे75.60% एवं जावद विधानसभा क्षेत्र में74.16% मतदान होने के समाचार मिले हैं। सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराकर सामग्री जमा करने के लिए शासकीय पीजी कॉलेज नीमच पहुंचे मतदान दलों के कर्मचारियों का कलेक्टर श्री दिनेश जैन एसपी श्री अंकित जायसवाल जिला पंचायत सीईओ श्री गुरु प्रसाद ने पुष्प हार पहना कर स्वागत किया और उन्हें स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए बधाई दी

संसदीय क्षेत्र रतलाम में औसत 72.76% मतदान

जिला झाबुआ में औसत 72.43% मतदान

झाबुआ। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये झाबुआ जिले की सभी 3 विधानसभा क्षेत्रों के लिये मतदान का सिलसिला प्रात 07 बजे से लगातार जारी रहा। मतदान केंद्रों में किये जा रहे मतदान के प्रतिशत की जानकारी संकलित करने के लिये पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में कम्युकिशेन सेंटर स्थापित किया गया था। जिसमें मतदान शुरु होने से हर दो घंटे में मतदान प्रतिशत की विधानसभावार जानकारी संकलित कर निर्वाचन आयोग को भेजी गई। जिला निर्वाचन कार्यालय के कम्युनिकेशन दल से प्राप्त जानकारी के अनुसार झाबुआ जिले में शाम 6 बजे तक किये गये मतदान के अनुसार विधानसभा क्षेत्र झाबुआ में 68.35, थांदला में 74.40, पेटलावद में 75.06, अलीराजपुर में 68.79, जोबट में 65.06, रतलाम ग्रामीण में 80.51, रतलाम शहरी 71.30, सैलाना में 83.84 प्रतिशत मतदान हुआ।

देवास जिले में लोकसभा निर्वाचन में विधानसभा देवास, सोनकच्छ, हाटपीपल्या और बागली के लिए शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न

विधानसभा देवास में 70.15 प्रतिशत, सोनकच्छ में 76.57 प्रतिशत, हाटपीपल्या में 76. 28 प्रतिशत और बागली में 74.31 प्रतिशत मतदान हुआ

कलेक्टर श्री गुप्ता ने मतदान के दौरान मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर हर गतिविधियों पर रखी नजर

देवास -जिले में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में लोकसभा संसदीय क्षेत्र देवास के लिए विधानसभा देवास, सोनकच्छ, हाटपीपल्या और लोकसभा संसदीय क्षेत्र खण्डवा के लिए विधानसभा बागली में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने मतदान के दौरान मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर मतदान की पल-पल की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी। मतदान के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता हर घटनाक्रम पर जानकारी लेते रहे तथा अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। लोकसभा संसदीय क्षेत्र देवास के लिए विधानसभा देवास 70.15 प्रतिशत, सोनकच्छ में 76.57 प्रतिशत, हाटपीपल्या में 76.28 प्रतिशत, मतदान हुआ। लोकसभा संसदीय क्षेत्र खण्डवा के लिए विधानसभा बागली में 74.31 प्रतिशत मतदान हुआ। देवास विधानसभा में 01 लाख 98 हजार 164 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 01लाख 05 हजार 689 पुरूष, 92 हजार 472 महिलाओं एवं 03 अन्य मतदाता ने मतदान किया। देवास विधानसभा में मतदान के लिए 290 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। सोनकच्छ विधानसभा में 01 लाख 79 हजार 911 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 97 हजार 957 पुरूष, 81 हजार 953 महिला एवं 01 अन्य मतदाता ने मतदान किया। सोनकच्छ विधानसभा में मतदान के लिए 290 मतदान केन्द्र बनाये गये थे।

हाटपीपल्या विधानसभा में 01 लाख 59 हजार 152 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 85 हजार 603 पुरूष, 73 हजार 547 महिलाओं एवं 02 अन्य मतदाता ने मतदान किया। हाटपीपल्या विधानसभा में मतदान के लिए 252 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। बागली विधानसभा में 01 लाख 90 हजार 149 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 99 हजार 656 पुरूष, 90 हजार 489 महिलाओं एवं 04 अन्य मतदाता ने मतदान किया। बागली विधानसभा में मतदान के लिए 297 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। मतदान के लिए विधानसभा देवास, सोनकच्छ, हाटपीपल्या और बागली में सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त किए गए थे। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने सेक्टर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के साथ ही मतदान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए भ्रमण करते रहे। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा गश्त कर मतदान के दौरान शांति व कानून व्यवस्था पर निगाह रखी। चेक पोस्टों पर एसएसटी टीमें तैनात रही। मतदान केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं की गई। चयनित मतदान केंद्रों की वेब कास्टिंग कराई गई। इन केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया कर आयोग स्तर के साथ ही भोपाल व जिला मुख्यालय से सतत नजर रखी गई। आदर्श और पिंक मतदान केन्द्र बनाये गये। आदर्श मतदान केंद्रों पर स्वागत द्वार बनाए गए थे। मतदान केन्द्रों पर रैम्प, पीने के पानी, लाइट, शौचालय, दिव्यांगजनों के सुगमतापूर्वक मतदान के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई थी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने पीएमएल-एन अध्यक्ष पद छोड़ा

नवाज शरीफ संभालेंगे पार्टी की कमान

इस्लामाबाद: पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष पद से सोमवार को इस्तीफा देकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने बड़े भाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के फिर से पार्टी की कमान संभालने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। पार्टी में अंदरूनी कलह के बीच शहबाज ने यह इस्तीफा दिया है। पीएमएल-एन महासचिव को लिखे अपने पत्र में शहबाज ने 2017 के घटनाक्रमों का उल्लेख किया, जिसका परिणाम नवाज के प्रधानमंत्री कार्यालय से बाहर होने एवं पार्टी की अध्यक्षता गंवाने के

रूप में हुआ था। शहबाज (72) ने पत्र में कहा कि उनके भाई ने प्रतिकूल हालात के दौरान पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी और कहा कि यह कर्तव्य उन्होंने पूरे समर्पण और गंभीरता के साथ निभाया। नवाज (74) लंदन में करीब चार साल स्वनिर्वासन में रहने के बाद पिछले साल अक्टूबर में स्वदेश लौटे थे। शहबाज का इस्तीफा पंजाब प्रांत में और संघीय स्तर पर पार्टी में अंदरूनी कलह के बीच आया है। राणा सनाउल्लाह, जावेद लतीफ, सीनेटर जावेद अब्बासी और पूर्व सीनेटर आसिफ सईद किरमानी सहित कई प्रमुख नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी नेतृत्व की आलोचना की थी।

काकीनाडा जिले में मतदान के बाद दो वृद्ध महिलाओं की मौत

काकीनाडा: आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में वोट डालने के बाद दो वृद्ध महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि एक महिला की मतदान केंद्र पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी की घर पहुंचने के तुरंत बाद मौत हो गई। पहले मामले में रोंगला सिम्हाचलम (70) ने पेद्दापुरम उपमंडल के ए. मल्लावरम गांव के बूथ नंबर 41 पर अपने मताधिकार का उपयोग किया, लेकिन घर पहुंचने पर प्रवेश द्वार पर गिर गईं और उनकी मौत हो गई। इसी तरह काकीनाडा शहर में अहमद उन्नीसा शेख (68) दोपहर को नगर निगम समिति हॉल रेचार्लापेटा में मतदान केंद्र से बाहर निकलने के बाद अचानक गिर पड़ी। पुलिस ने कहा कि चिकित्सा कर्मियों द्वारा प्राथमिक उपचार दिए

जाने से बहुत पहले ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। इन दो दुखद घटनाओं को छोड़कर, काकीनाडा जिले में मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा, जिसमें एक संसदीय क्षेत्र और सात विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पीथापुरम विधानसभा क्षेत्र जहां से जन सेना प्रमुख पवन कल्याण चुनाव लड़ रहे हैं, वहां अन्य स्थानों की तुलना में मतदान का प्रतिशत सबसे अधिक रहा।

बगदाद में बंदूकधारियों के साथ हुई झड़प में 2 पुलिसकर्मियों की मौत

बगदाद: बगदाद के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सोमवार को हुई बंदूकधारियों के साथ हुई झड़प में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि अन्य पांच लोग घायल हो गए। यह जानकारी इराक के आंतरिक मंत्रालय के एक सूत्र ने सोमवार को दी। सूत्र ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि जाफरानियाह इलाके में आज तड़के संघीय पुलिस

इकाई और अज्ञात बंदूकधारियों के बीच झड़प हुई, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और दो पुलिसकर्मी तथा तीन नागरिक घायल हो गए। सूत्र ने कहा कि झड़प तब हुई जब पुलिस इकाई हथियारों और वांछित लोगों के लिए तलाशी अभियान चला रही थी। सूत्र ने कहा कि बंदूकधारियों का पता लगाने के लिए अतिरिक्त बलों को घटनास्थल पर भेजा गया है और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है।

इंडोनेशिया में बाढ़ से मची तबाही, अब तक 44 लोगों की मौत...15 लापता

इंटरनेशनल डेस्क = इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में भारी बारिश और ज्वालामुखी की ढलानों से बहते कीचड़ के कारण अचानक बाढ़ आने से माने की संख्या बढ़कर 44 हो गयी और अभी भी 15 लोग लापता हैं। स्थानीय आपदा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को शिन्हुआ को यह जानकारी दी। पश्चिम सुमात्रा प्रांत की आपदा प्रबंधन और शमन एजेंसी की आपातकालीन इकाई के प्रमुख फजर सुकमा ने कहा कि बाढ़ के कारण बड़े पत्थरों और अपशिष्ट पदार्थों से पीड़ितों की तलाश में बाधा उत्पन्न हुयी, लेकिन बचावकर्मियों को प्रभावित क्षेत्रों में सात अन्य शव मिले। उन्होंने शिन्हुआ को बताया,''हमें कई शव मिले हैं, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 44 हो गयी है। बड़े पत्थरों ने खोज में बाधा डाली है, लेकिन हम लापता 15 लोगों की तलाश जारी रखे हुये हैं। उनके मुताबिक, कुछ मशीनरी उपकरण बाढ़ प्रभावित इलाकों में सफलतापूर्वक पहुंच गये हैं। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान तनाह दातर और अगम रीजेंसी पर केंद्रित होगा, जहां से अन्य 15 लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण तीन हजार से अधिक लोगों को घर छोड़कर दोनों रीजेंसी में शरण लेना पड़ा है क्योंकि ठंडे ज्वालामुखी की कीचड़ ने घरों, इमारतों और अन्य बुनियादी सुविधाओं को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा के जवाब में आपातकालीन राहत प्रयास किये थे, जबकि बीएनपीबी के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुहार्यंतो प्रभावित निवासियों को निकासी और सहायता वितरण की निगरानी करेंगे। इससे पहले मीडिया रिपोटरं में मरने वालों की संख्या 37 बताई गयी थी।

अब नेपाल में भी बनेगी हुंडई की कार

कंपनी ने लक्ष्मी ग्रुप के साथ मिलकर की नई असेंबली लाइन की शुरुआत

ऑटो डेस्क. भारत में हुंडई की कारों की अच्छी डिमांड है। अब कंपनी नेपाल में भी कारों का उत?पादन करेगी। हुंडई ने नेपाल में उत?पादन के लिए नई असेंबली लाइन को शुरू की है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) और लक्ष्मी ग्रुप ने नेपाल में हुंडई वेन्यू की स्थानीय असेंबली शुरू करने की घोषणा की है। पहले ऑटोमोबाइल असेंबली प्लांट का उद्घाटन 10 मई, 2024 को नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और कोरिया गणराज्य के राजदूत ताए-यंग पार्क ने किया। असेंबली की शुरुआत पर हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी और सीईओ

उन्सू किम ने कहा- नेपाल में इस संयंत्र की सालाना 5,000 इकाइयों को असेंबल करने की स्थापित क्षमता है। जिसमें हुंडई अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू स्थानीय रूप से असेंबल करेगी। मैं इस उपलब्धि के लिए नेपाल के लोगों को अपनी हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ। बता दें हुंडई मोटर इंडिया ने नेपाल में लक्ष्मी ग्रुप के साथ हाथ मिलाया है, जिसके बाद लक्ष्मी समूह नेपाल में हुंडई कारें बनाएगा और बेचेगा। ग्राहकों को एचएमसी कोरिया और हुंडई मोटर इंडिया के उत्पादों, प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता परियोजनाओं पर निरंतर सहयोग और समर्थन के साथ निरंतर संतुष्टि और ग्राहक अनुभव का आश्वासन दिया जा सकता है। हुंडई मोटर और लक्ष्मी समूह का देश में उद्योग का पहला वाहन असेंबली प्लांट स्थानीयकरण और रोजगार को बढ़ावा देगा।

शाह का आरोप, सोनिया गांधी ने अल्पसंख्यकों पर खर्च किया सांसद निधि का 70 फीसदी से ज्यादा हिस्सा

नेशनल डेस्क- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर अपनी सांसद निधि का 70 प्रतिशत से अधिक अल्पसंख्यकों पर खर्च करने और गांधी परिवार पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। रायबरेली से भाजपा के उम्मीदवार व राज?य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वह देश भर में जहां जाते हैं चार सौ पार का नारा लगता है। चार सौ पार तभी हो सकता जब पूरे देश में मोदी को 400 सीटें जिताकर दें और वह होने वाला है। शाह ने रायबरेली मे विकास की राह में गांधी परिवार को रोड़ा करार देते हुए कहा कि मोदी पूरे देश में विकास की गंगा बहा रही है लेकिन यह गांधी परिवार रायबरेली में बाड़ लगाकर बैठा है। उन्होंने कहा कि एक बार यह बाड़ तोड़ दो रायबरेली को हम नंबर एक जनपद बनाएंगे। यहां हर ताले की चाबी दिनेश प्रताप है, एक बार ताला खोल दो। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता खरगे कहते हैं कि उप्र और राजस्थान वालों को कश्मीर से क?या लेना है। खरगे 80 पार कर गये लेकिन रायबरेली के लोगों को नहीं जान पाए। रायबरेली का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान दे सकता है। उन्होंने कहा कि 70 साल से गांधी परिवार धारा 370 को अनवरत बच्चे की तरह गोदी में लेकर बैठा था। आपने मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने धारा 370 को हमेशा हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। अयोध्या में राम मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को देते हुए शाह ने आरोप लगाया कि वोट बैंक के डर से राहुल गांधी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गये। शाह ने यह भी कहा कि आपने गांधी परिवार को वर्षों तक मौका दिया, लेकिन कोई विकास कार्य नहीं किया।

थरूर बोले नए पी.एम. के लिए नहीं करना पड़ेगा ज्यादा इंतजार, जून में आएगी नई सरकार

नेशनल डेस्क- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम्र को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर सियासी अखाड़े में देश में नई बहस शुरू हो गई है। केजरीवाल ने जेल से निकलते ही कहा था कि भाजपा के नियम के अनुसार मोदी 2025 में 75 साल के हो जाएंगे और राजनीति से संन्यास ले लेंगे। इसके बाद उम्र को छिड़ी सियासत के बीच पी.एम. मोदी ने कहा कि कांग्रेस को राहुल की उम्र से भी कम सीटों मिलेंगी। अब यह मामला थम नहीं रहा है और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भी पी.एम. मोदी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि शशि थरूर का कहना है कि देश को नया प्रधानमंत्री पाने के लिए सितंबर 2025 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। थरूर ने कहा कि जून में केंद्र में नई सरकार आएगी। भाजपा को पी.एम. की उम्र से ज्यादा नहीं मिलेंगी सीटें शशि थरूर ने कहा कि भाजपा को प्रधानमंत्री की उम्र से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की उम्र अन्य कारणों से दिलचस्प है जिसे अमित शाह बेहतर बता सकते हैं। दरअसल पी.एम. मोदी ने कहा था कि चुनाव में कांग्रेस को 53 से कम सीटें मिलेंगी और उन्होंने अपने इस बयान को पश्चिम बंगाल में भी दोहराया था। उन्होंने कहा था कि शहजादे की उम्र से कांग्रेस को कम सीटें मिलेंगी। इस पर शशि थरूर ने कहा कि पीएम जो कुछ हफ्तों से बयान दे रहे हैं ,वो बहुत बुरा लग रहा है। वह एक समुदाय के खिलाफ बोल रहे हैं। पीएम का बयान शर्मनाक है। उनको अपने पद का मान रखना चाहिए। ओपेन डिबेट के लिए तैयार हैं राहुल ओपेन डिबेट वाली चिट्ठी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि रिटायर्ड जजों और पत्रकारों ने चिट्ठी लिखकर सकारात्मक चर्चा की बात कही है। इस चुनौती को राहुल गांधी ने तुरंत स्वीकार कर लिया, लेकिन पी.एम. मोदी ने दस साल हो गए एक भी प्रेस कांफ्रेंस नहीं की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी स्क्रिप्ट लेकर इंटरव्यू देते हैं। हम तो तैयार हैं, पीएम को आने दीजिए।

भारत का साथ दे रहा ईरान, देखते रह गए चीन-पाकिस्तान

इस बड़ी डील से दुनिया हैरान

नई दिल्ली/तेहरान: भारत ने ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह टर्मिनल के परिचालन के लिए सोमवार को 10-वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे भारत को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। इस बंदरगाह को भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट्स एंड मेरिटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, आईपीजीएल करीब 12 करोड़ डॉलर निवेश करेगा जबकि 25 करोड़ डॉलर की राशि कर्ज के रूप में जुटाई जाएगी। यह पहला मौका है जब भारत विदेश में स्थित किसी बंदरगाह का प्रबंधन अपने हाथ में लेगा। इस अवसर पर सोनोवाल ने कहा, '' अनुबंध पर हस्ताक्षर के साथ हमने चाबहार में भारत की दीर्घकालिक भागीदारी की नींव रखी है। इस अनुबंध से चाबहार बंदरगाह की व्यवहार्यता और दृश्यता पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा। सोनोवाल ने कहा कि चाबहार न केवल भारत का निकटतम ईरानी बंदरगाह है बल्कि समुद्री परिवहन की दृष्टि से भी यह एक शानदार बंदरगाह है। उन्होंने ईरान के परिवहन एवं शहरी विकास मंत्री महरदाद बजरपाश भी मौजूद रहे। यह 10-वर्षीय समझौता दोनों देशों के बीच वर्ष 2016 में हुए शुरुआती समझौते की जगह लेगा जिसमें भारत को शाहिद बेहश्ती टर्मिनल का परिचालन अधिकार दिया गया था। हालांकि, उसे सालाना आधार पर नवीनीकृत करना होता था। भारत क्षेत्रीय व्यापार खासकर अफगानिस्तान से संपर्क बढ़ाने के लिए चाबहार बंदरगाह परियोजना पर जोर दे रहा है। यह बंदरगाह 'अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन

गलियारा% (आईएनएसटीसी) परियोजना के एक प्रमुख केंद्र के तौर पर पेश किया गया है। आईएनएसटीसी परियोजना भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल-ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी एक बहुस्तरीय परिवहन परियोजना है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ईरान के साथ संपर्क परियोजनाओं पर भारत की अहमियत को रेखांकित करते हुए 2024-25 के लिए चाबहार बंदरगाह के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। आईपीजीएल की अनुषंगी इकाई इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल चाबहार फ्री जोन (आईपीजीसीएफजेड) ने 2019 में अफगानिस्तान से भारत में निर्यात की पहली खेप की सुविधा दी थी। बयान में कहा गया है कि उक्त परिचालन अल्पकालिक अनुबंधों के माध्यम से जारी रहा, जबकि अगस्त, 2022 में सोनोवाल की चाबहार यात्रा के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत ने गति पकड़ी। बयान के मुताबिक, समझौता बढ़े हुए व्यापार और निवेश के अवसरों के रास्ते खोलेगा और इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569